ज्येष्ठ शुक्ल पक्ष सप्तमी संवत् 2082 | dopaharmetro | epaper.dopaharmetro.com | dopaharmetro | वर्ष-08, अंक - 335 | पेज 8, मूल्य 2 रुपए

डाक पंजीयन क्रमांकः म.प्र./4-474/2024-26

भोपाल
02 जून 2025 सोमवार

आज का मौसम
33 अधिकतम
24 न्यूनतम

बेबाक खबर हर दोपहर

दोपहर मेट्रो

Page-7

बाढ़ से हालात खराब, 10 नदियां खतरे के निशान से ऊपर

नई दिल्ली, एजेंसी। देश के पूर्वोत्तर राज्यों में पिछले चार दिनों में भारी बारिश के चलते जनजीवन बुरी तरह प्रभावित है। बाढ़ और लैंडस्लाइड से कम से कम 34 लोगों की मौत हो चुकी है। इसमें असम में 10, अरुणाचल प्रदेश में 9, मिजोरम में 5 और मेघालय में 6 मौतें शामिल हैं। मौसम विभाग ने पूर्वोत्तर

राज्यों में 5 जून तक बारिश की आशंका जताई है। बाढ़-लैंडस्लाइड प्रभावित इलाकों से लोगों को निकालने के लिए भारतीय सेना, एयरफोर्स और असम रायफल्स के जवानों को तैनात है। असम के 19 जिलों में 3.64 लाख से अधिक लोग बाढ़ से प्रभावित हुए हैं। सड़क और रेल सेवाएं ठप हैं। ब्रह्मपुत्र और बराक समेत 10 प्रमुख नदियां खतरे के निशान से ऊपर बह रही हैं। मणिपुर में बाढ़ से 19 हजार लोग प्रभावित हुए हैं। रेस्क्यू टीमों ने प्रभावित जिलों से 1,500 से ज्यादा लोगों को बचाया है। लोगों को पीठ पर उठाकर सुरक्षित जगहों पर पहुंचाते हुए देखा जा रहा है।

शेयर बाजार : सेंसेक्स 500 अंक नीचे, निफ्टी भी कमजोर

मुंबई, एजेंसी। भारतीय शेयर बाजार में आज काफी गिरावट है। आज कारोबारी सप्ताह के पहले ही दिन सेंसेक्स 500 अंक से ज्यादा की गिरावट के साथ 80,900 के स्तर पर कारोबार कर रहा है। वहीं निफ्टी में भी

करीब 150 अंक की गिरावट है। ये 24,600 के स्तर पर कारोबार कर रही है। सेंसेक्स के 30 शेयरों में से 21 में गिरावट और 9 में तेजी है। बैंकिंग, ऑटो और आईटी शेयर में ज्यादा गिरावट देखने को मिल रही है। वहीं एफएमसीजी और एनर्जी शेयर्स में बढ़त है।

पोलैंड के राष्ट्रपति पद के लिए 51 प्रतिशत मतों के साथ नवरोकी विजय की ओर

वारसॉ, एजेंसी। पोलैड की विपक्षी लॉ एंड जस्टिस पार्टी के उ मीदवार करोल नवरोकी 51 प्रतिशत मतों के साथ राष्ट्रपति पद के लिए दूसरे चरण में विजयी की ओर अग्रसर हैं। पोलैंड के टेलीविजन चैनल ने 99.55 प्रतिशत मतों की गिनती के बाद चुनाव आयोग के आंकड़ों का हवाला देते हुए यह जानकारी दी है। हालांकि सत्तारूढ़ सिविक

गठबंधन के उमीदवार रफाल ट्रज़ाकोव्स्की को 49 प्रतिशत मत मिले हैं। रविवार शाम को पोलैंड में राष्ट्रपति चुनाव के दूसरे चरण में मतदान समाप्त हो गया। एग्जिट पोल ने श्री ट्रज़ाकोव्स्की को 50.3 प्रतिशत मतों के साथ मामूली अंतर से जीत दिलाई, लेकिन कुछ घंटों बाद देर से आए मतदान के आंकड़ों से पता चला कि श्री नवरोकी 50.7 प्रतिशत मतों के साथ आगे चल रहे थे।

मौसम महकमे व ज्योतिषी गणना के अलग-अलग दावे

नौतपा खत्म, सूर्य रोहिणी नक्षत्र से बाहर 10 को मानसून तब तक उमस के आसार

भोपाल, दोपहर मेट्रो। आज 2 जून को सूर्य रोहिणी नक्षत्र से बाहर आ गए हैं और इसी के साथ नौ दिन के नौतपा भी समाप्त हो गये हैं। हालांकि यह नौतपा कूल-कूल रहा, यानी भीषण गर्मी नहीं पड़ी। हालांकि मानसून के मप्र में आमद देने में अभी करीब आठ दिन का वक्त है इसलिये लोगों को उमस व गर्मी झेलनी पड़ सकती है,बीच बीच में बौछारें राहत देती रहेंगी। इधर ज्योतिषीय गणनाओं के अनुसार नौतपा के बाद भीषण तपन काल की शुरुआत होगी। यह दस दिन रहेगा। इस दौरान तेज धूप, कही

कहीं लू, उमस का असर खासा महसूस किया जाएगा। हालांकि मौसम विभाग का कहना है कि दिन-रात के पारे में बढ़ोतरी होगी, लेकिन हीट वेव यानी, सभी जगहों पर लू चलने की संभावना नहीं है। मध्यप्रदेश में मानसून की एंट्री 10 जून के बाद ही होगी। मौसम विभाग की माने तो अभी मानसून महाराष्ट्र-छत्तीसगढ़ में एक ही जगह पर ठहरा है। पिछले कुछ दिन से ये आगे नहीं बढ़ा है। इधर, मानसून के आने से पहले पूरे प्रदेश में आंधी-बारिश का दौर जारी रहेगा। आज सोमवार को जिन जिलों में आंधी-बारिश का अलर्ट है। उनमें भोपाल, इंदौर, उज्जैन, ग्वालियर, मुरैना, भिंड, दतिया समेत तीन दर्जन जिले शामिल हैं। अभी तीन साइक्लोनिक सर्कुलेशन और एक वेस्टर्न डिस्टरबेंस (पश्चिमी विक्षोभ) एक्टिव है। जिसका असर प्रदेश में भी देखने को मिलेगा और हल्की बारिश-आंधी का दौर रहेगा।

दतिया एयरपोर्ट पर भिड़े अफसरों की पीएचक्यू लैंडिंग

आईजी-एसपी भिड़ंत में बीचबचाव करने के प्रयास में 'पिस' गए डीआईजी

भोपाल, दोपहर मेट्रो। राज्य सरकार ने देर रात जिन दस आईपीएस अफसरों को बदला है, उनमें कुछ ऐसे अफसर हैं जिनके आचरण से लोक सेवक की गरिमा धूमिल हुई है। इनमें दतिया के आईजी, डीआईजी और एसपी को बदलने समेत कटनी एसपी को हटाने का मामला चर्चा में है। दतिया में दो दिन पहले जब पीएम मोदी ने भोपाल से एयरपोर्ट का वचुर्अल लोकार्पण किया था, उस वक्त वर्जित क्षेत्र तक भीड़ आ गई थी। इसके चलते बाद में भीड़ प्रबंधन को लेकर आईजी सुशांत सक्सेना और एसपी वीरेंद्र मिश्रा में तीखी बहस हुई और मामला हाथापाई की नौबत तक पहुंचने लगा था, बताते हैं कि उस वक्त डीआईजी कुमार सौरभ ने मूकदर्शक बने रहने की

बजाए दोनों अफसरों को 'अलग' करने की कोशिश की थी, ताकि सार्वजनिक रूप से कोई तमाशा न बने और गरिमा बनी रही। तब तक केंद्रीय मंत्री राममोहन नायडू जा चुके थे। अब ताजा आदेश में कुमार सौरभ को भी हटाकर पीएचक्यू बुला लिया गया है। आईजी और एसपी भी अब पीएचक्यू में ही पदस्थ किये गये हैं। सीएम ने दोनों के विवाद को लोकसेवा की गरिमा के खिलाफ बताया था। इसी तरह कटनी में एसपी अभिजीत रंजन का नाम भी काफी समय से सीएसपी ख्याति मिश्रा व उनके तहसीलदार पति एसएस मिश्रा के बीच विवाद में उछल रहा था। मिश्रा का कहना था कि एसपी अभिजीत उनके परिवार को तोड़ना चाहते हैं।

तीन दिनी मंथन से राहत भरे निष्कर्ष निकलने की उम्मीद

6 जून को तीसरा ऐलान, बैंक से मिलने वाला कर्ज होगा सस्ता!

नई दिल्ली, एजेंसी।

बाजार में उथलपुथल और सरहदों पर तनाव के बीच अब आम आदमी को राहत मिलने के आसार बढे हैं। दो दिन बाद रिजर्व बैंक की मौद्रिक नीति समिति फिर बैठ रही है और संभवत 6 जून को ब्याज दारों यानी रेपो रेट में 0.25% के निर्णय पर समिति के पहुंचने की संभावना है। इससे सभी तरह के लोन लेना सस्ते हो जाएंगे और लोगों को अपनी ईएमआई में राहत मिलेगी। हालांकि इससे पहले हुई दो बैठक में 0.50% की कटौती हो चुकी है। इससे रेपो रेट गिरकर 6%पर आ गई है। मॉनेटरी पॉलिसी कमेटी में 6 सदस्य होते हैं। इनमें से तीन आरबीआई के और बाकी केंद्र सरकार द्वारा नियुक्त किए जाते हैं। जानकारों का कहना है कि मौजूदा हालात रेट कट के लिए बिल्कुल मुफीद हैं। क्योंकि इस बार मानसून के भी सामान्य रहने के आसार हैं। जीडीपी ग्रोथ स्थिर है। महंगाई काफी हद तक काबू में है तो रिटेल महंगाई जुलाई 2019 के बाद निचले स्तर पर है। पिछली बैठक में आरबीआई गवर्नर ने भी संकेत दिए थे कि यदि महंगाई काबू में रही तो दरें और घट सकती हैं। माना जा रहा है कि मौद्रिक समिति के फैसले व रेटकट के बाद रियल एस्टेट और ऑटो सेक्टर को बूस्ट मिलेगा।

उल्लेखनीय है कि रिजर्व बैंक जिस ब्याज दर पर अन्य बैंकों को लोन देता है उसे रेपो रेट कहते हैं। रेपो रेट कम होने से बैंक को कम ब्याज पर लोन मिलेगा। बैंकों के लोन सस्ता मिलता है, तो वो अकसर इसका फायदा ग्राहकों को पास कर देते हैं। यानी, बैंक भी अपनी ब्याज दरें घटा देते हैं। रेपो रेट घटने के बाद बैंक भी हाउसिंग और ऑटो जैसे लोन्स पर अपनी ब्याज दरें कम कर सकते हैं। लोगों के लिये भी ब्याज दरें कम होंगी तो बाजार मांग बढ़ेगी। किसी भी सेंट्रल बैंक के पास पॉलिसी रेट के रूप में महंगाई से लड़ने का एक शक्तिशाली टूल है। जब महंगाई बहुत ज्यादा होती है, तो सेंट्रल बैंक पॉलिसी रेट बढ़ाकर इकोनॉमी में मनी फ्लो को कम करने की कोशिश करता है। पॉलिसी रेट ज्यादा होगी तो बैंकों को सेंट्रल बैंक से मिलने वाला कर्ज महंगा होगा। बदले में बैंक अपने ग्राहकों के लिए लोन महंगा कर देते हैं।

एडीबी 86 हजार करोड़ निवेश करेगा

उधर एशियन डेवलपमेंट बैंक ने भारत के शहरी इंफ्रास्ट्रक्चर प्रोजेक्ट्स में 10 बिलियन डॉलर यानी करीब 86 हजार करोड़ रुपए तक निवेश करने के लिए 5 साल के प्लान का ऐलान किया है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के साथ मीटिंग के बाद बैंक प्रेसिडेंट मासातो कांडा ने कहा कि यह पहल उन प्रोजेक्ट्स को सपोर्ट

देगी, जो कनेक्टिविटी और शहरी सेवाओं में सुधार करती हैं। यह फंडिंग भारत के अर्बन चैलेंज फंड (ष्टस्न) के जरिए की जाएगी। इस प्लान में मेट्रो रेल एक्सपेंशन, रीजनल रैपिड ट्रांजिट कॉरिडोर्स (क्रक्षस्र) और वाटर, सेनिटेशन, हाउसिंग जैसी सिटी-लेवल सर्विसेज पर फोकस किया जाएगा। बैंक प्रेसिडेंट कांडा ने कहा कि इस प्लान में सॉवरेन लोन्स, प्राइवेट सेक्टर फंडिंग और थर्ड-पार्टी कैपिटल को शामिल किया जाएगा। यह निवेश भारत की ऑर्गेनाइजेशन स्ट्रेटजी का सपोर्ट करेगा।

पराग्वे के राष्ट्रपति का पहला भारत दौरा शुरू

नई दिल्ली। पराग्वे के राष्ट्रपति सैंटियागो पेना पेलासियोस सोमवार को अपने पहले राजकीय दौरे पर भारत पहुंचे। उनका नई दिल्ली के पालम एयरफोर्स स्टेशन पर गार्ड ऑफ ऑनर के साथ

स्वागत किया गया। राष्ट्रपति पेना आज से 4 जून तक भारत में रहेंगे। इस दौरान वे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के साथ उच्च स्तरीय बैठक करेंगे और दोपहर भोज में शामिल होंगे। उन्होंने आज विदेश मंत्री जयशंकर से मुलाकात की। उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ भी उनसे मुलाकात करेंगे। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु उनके सम्मान में भोज (बैंकेट) आयोजित करेंगी।

आज पटना के प्रवास पर रहेंगे सीएम यादव

भोपाल। मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव आज पटना के प्रवास पर रहेंगे। डॉ. यादव सुबह वीडियो कांफ्रेंसिंग के माध्यम से मंदसौर में दशोरा नागर समाज के कार्यक्रम में शामिल हुए। इसके बाद वे शाम को सुभाष नगर खेल मैदान में स्वर्गीय श्री कैलाश नारायण सारंग की जयंती पर बुजुर्गों का सम्मान एवं सामूहिक विवाह सम्मेलन में शामिल होंगे। शाम को वे भोपाल से पटना जाएंगे और वहां स्थानीय कार्यक्रम में सम्मिलित होंगे।

दस दिन में पंद्रह गुना बढ़ गए कोरोना के मामले

नई दिल्ली, एजेंसी। देश में कोरोना वायरस के मामले तेजी से बढ़ रहे हैं। एक्टिव केसों की संख्या 3976 पहुंच गई। स्वास्थ्य विभाग की वेबसाइट के मुताबिक 10 दिन में 15 गुना मामले बढ़े हैं। केरल में सबसे ज्यादा 1435 केस हैं। महाराष्ट्र एक्टिव

मामलों के मामले में दूसरे नंबर पर है। यहां 506 मरीज हैं। वहीं अब तक कोरोना से जान गंवाने वालों की संख्या 34 पहुंच गई है। बीते 24 घंटे में 6 मौत हुई है। दिल्ली में 22 साल की लड़की और तमिलनाडु में 25 साल के लड़के की कोरोना से जान गई। अहमदाबाद में सोमवार को 2 मौतें हुई।

रोजर के बाद राजीव शुक्ला बनेंगे बीसीसीआई के कार्यकारी अध्यक्ष

नई दिल्ली।

भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) के उपाध्यक्ष राजीव शुक्ला जुलाई में बोर्ड के कार्यवाहक अध्यक्ष बन सकते हैं। खबरों के मुताबिक दरअसल, बीसीसीआई के मौजूदा अध्यक्ष रोजर बिन्नी 19 जुलाई को 70 वर्ष के हो जाएंगे।

65 वर्षीय शुक्ला को तीन महीनों के लिए कार्यवाहक अध्यक्ष की भूमिका मिल सकती है। सितंबर में वार्षिक आम बैठक के दौरान राजीव शुक्ला 66 वर्ष के हो जाएंगे। तब वह बोर्ड के पूर्णकालिक अध्यक्ष पद के लिए चुनाव में खड़े हो सकते हैं। बिन्नी के बीसीसीआई अध्यक्ष बनने के बाद भारत ने दो सीमित ओवर प्रारूप के आईसीसी टूर्नामेंट जीते हैं। भारत ने आईसीसी टी20 विश्व कप 2024 और आईसीसी चैंपियंस ट्रॉफी 2025 अपने नाम किया था उनके अध्यक्ष रहते ही खिलाड़ियों के वेतन में वृद्धि हुई और टीम इंडिया के सीनियर खिलाड़ियों को घरेलू टूर्नामेंटों में खिलवाने के लिए उचित और सख्त कदम उठाए गए।

विराट कोहली के पब पर पुलिस की फिर कार्रवाई

बेंगलुरू, एजेंसी। कर्नाटक के बेंगलुरु की कब्बन पार्क पुलिस ने वन 8 कम्यून नाम के पब और रेस्टोरेंट के खिलाफ कोटपा एक्ट के उल्लंघन के आरोप में स्वतः संज्ञान लेते हुए मामला दर्ज

किया है। भारतीय क्रिकेटर विराट कोहली इस पब-रेस्टोरेंट के मालिक हैं। पब में कोई स्मोकिंग जोन नहीं है, जिसके कारण पुलिस ने यह कार्रवाई की है। हालांकि यह पहली बार नहीं है कि कोहली के पब के खिलाफ कोई कानूनी कार्रवाई की गई हो। गत वर्ष भी इस पर केस दर्ज हुआ था। तब इस पब के मैनेजर पर बंद होने के समय के नियमों का उल्लंघन करने के आरोप में एफआईआर दर्ज की गई थी।

पहलगाम... पहलकदमी व सरकारों की डेस्टिनेशन कैबिनेट....

नजरिया
आशीष दुबे

आजकल न राजधानियों के मौसमों में राहत है और न ही हिल स्टेशनों पर सुकून है। बावजूद मप्र सरकार फिर पचमढ़ी का रुख कर रही है। यह पहली बार नहीं है। मगर कैबिनेट की इंदौर-राजवाड़ा बैठक के बाद तथा पचमढ़ी बैठक से पहले कश्मीर सरकार की पहलगाम कैबिनेट बैठक इन प्रयोगों का नया विस्तार है और नया पैगाम भी। पहलगाम में आतंकियों ने जो कुछ किया उसके बाद उमर अब्दुल्ला की पहलगाम-पहलकदमी सटीक मानी गई। सहमे व बिखरे पहलगाम में शायद पहली बार सरकार की मौजूदगी का अहसास हुआ। यह और बात है कि अहसास पहले होता तो शायद 'पहलगाम' न होता ? बावजूद, अब्दुल्ला कैबिनेट के डेस्टिनेशन चुनाव में सरकार का सैलानी भाव कम और संवेदनशील पुट ज्यादा रहा, इसी की जरूरत हर राज्य को अपनी परिस्थितियों व आवश्यकताओं के मान से हैं, ताकि कमजोर,त्रस्त व पस्त लोगों के मन में सरकार के अपने आसपास होने का अहसास पुख्ता रहे।

यूं तो किसी सरकार की शक्तिपीठ उसका मुख्यालय-मंत्रालय होती है, शक्तिपीठ बदल नहीं सकतीं। इसलिए महलों, जंगलों और पर्यटन स्थलों में बैठकें सिर्फ प्रतीकात्मक या आदरांजलि ही रही हैं। इनमें निर्णयों के बाद जरूरी निर्देश और क्रियान्वयन समेत निगरानी व एक्शन सभी 'शक्तिपीठ' से ही हुए हैं। वैसे पचमढ़ी कभी बकायदा ग्रीष्म राजधानी रही है। मगर यह भी बेहतर होगा कि पूरी सरकार किसी एक जिले में 24 या 36 घंटे कैंप करके वहां की समस्या को सही मायने में वहीं समझने-सुलझाने और जिले को समस्या रहित या शिकायत रहित बनाने की पहल करे? सरकार आपके द्वार की सही अवधारणा तो यही है। वैसे भी, सरकार सैकड़ों मर्तबा मंत्री-अफसरों को गांवों में रात बिताने का आग्रह करती रही है, तो इस बहाने ही सही! करीब दो दशक पहले तत्कालीन सीएम उमाभारती ने सीधी कैबिनेट के बाद रायसेन के पास एक छोटे से गांव में देर रात गरीब के झोपड़े में आला अफसरों की बैठक की थी। मगर जरूरी है कि ऐसे तमाम आयोजनों के बाद उसके इंपेक्ट की गहरी स्टडी भी हो। वैसे एक और पूर्व सीएम बाबूलाल गौर ने इस लिख्खाड़ से कहा था- 'सरकार वल्लभ-भवन से चलती है, मैं दिनभर दौरे करता रहूं तो प्रशासन व अफसर क्या करेंगे..।' बहरहाल, अब राजनीति के तरीके बदल गए हैं और हर राजनीतिज्ञ के अपने तरीके हैं। मगर मप्र की मंत्रिपरिषदों ने दो दशक में बहुत सफर कर लिया है, वह सीधी के निपट आदिवासी इलाकों से लेकर अन्य अंचलों के महलों, जलसंरचनाओं और राजवाड़ों तक फेरा लगा चुकी है। कुछ जगहों पर दो-तीन बार भी हो आई है। खोया-पाया का आकलन तो इतिहास करता है। मगर, कैबिनेट की 'व्यासगादी' पर बैठे मोहन यादव मप्र की सत्ता में किसी वसंत की तरह आए हैं, सब नया, नयनाभिराम व नियंत्रित दिखता है। मगर हवा के उन झोंकों से बचना होगा जो अपनी तरंगों में बहा ले जाने को आतुर हैं। लीक तोड़ना साहस की बात होती है लेकिन लीक पर चलने के कई जोखिम होते हैं..।

राहुल कल भोपाल आएंगे, संगठन के साथ मैराथन बैठकें

भोपाल, दोपहर मेट्रो। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी कल भोपाल आ रहे हैं। वे मप्र में कांग्रेस के संगठन सृजन अभियान की औपचारिक शुरुआत करेंगे। दरअल गुजरात के बाद अब मध्यप्रदेश में भी कांग्रेस अपने संगठन के पुनर्निर्माण के लिए यह अभियान शुरू करने जा रही है। वे पीसीसी में बैठकें करेंगे और रविंद्र भवन में शाम को सम्मेलन को

संबोधित करेंगे। इसके अलावा जातिगत जनगणना की पुरजोर तरीके से उठाई गई मांग के बाद केंद्र सरकार द्वारा कास्ट सेंसस कराने की घोषणा पर राहुल का आभार व्यक्त किया जाएगा। संगठन सृजन अभियान के लिए एआईसीसी ने 61 ऑब्जर्वर नियुक्त किए हैं। यूपी, राजस्थान, छत्तीसगढ़, महाराष्ट्र, झारखंड, असम, आंध्र प्रदेश सहित देश के अलग-अलग राज्यों के विधायक, सांसद, पूर्व मंत्री और बड़े पदाधिकारियों को ऑब्जर्वर बनाया गया है। ये सभी आज पहुंच रहे हैं।

कंपनी ने रखा तर्क : कस्टम क्लीयरेंस न होने के कारण भेजा गया पार्सल डिलीवर नहीं किया जा सका

बेटे को विदेश भेजी मिठाई नहीं मिली, अब उपभोक्ता को कंपनी देगी 23 हजार हर्जाना

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

कूरियर कंपनी के माध्यम स्पेन के बार्सिलोना में रह रहे बेटे को मां द्वारा भेजी गई मिठाई नहीं पहुंचने पर उपभोक्ता आयोग ने कंपनी की गलती बताते हुए 23 हजार रुपऐ का हर्जाना देने का आदेश दिए हैं। मामले में उपभोक्ता के पक्ष में फैसला सुनाते हुए आयोग ने कहा कि कूरियर सर्विस ने जानबूझकर एक माता-पिता की भावनाओं को ठेस पहुंचाया है। इस कारण उपभोक्ता को मानसिक क्षतिपूर्ति राशि देनी होगी।

आयोग ने कूरियर कंपनी को दो माह के भीतर पार्सल का व्यय 6400 रुपये और उसमें रखी सामग्री पर अंकित राशि 1350 रुपये के साथ मानसिक क्षतिपूर्ति के लिए 15 हजार रुपये यानी कुल 23 हजार रुपये अदा करने का आदेश दिया है। मामले में सुनवाई के दौरान कूरियर कंपनी ने तर्क रखा कि उन्होंने कोई भी तथ्य नहीं छुपाया। कस्टम क्लीयरेंस न होने के कारण भेजा गया पार्सल डिलीवर नहीं किया जा सका। उपभोक्ता से कंसाइनमेंट फार्म भी भरवाया गया था जिसमें इस तरह के जोखिम के लिए सहमति शामिल थी। हालांकि कंपनी के तर्कों को उपभोक्ता आयोग ने खारिज कर दिया। यह फैसला जिला उपभोक्ता आयोग की अध्यक्ष गिरिबाला सिंह व सदस्य प्रीति मुद्गल की बेंच ने सुनाया है।

12 दिन बाद भी बेटे को पैकेट नहीं मिला, कंपनी ने ई मेल पर दी सूचना

दरअसल, भोपाल होशंगाबाद रोड स्थित सुरेंद्र गार्डन निवासी रवि श्रीवास्तव ने डीटीडीसी एक्सप्रेस और फेडरल एक्सप्रेस एंड सप्लाई चेन के खिलाफ 2019 में यह परिवाद दायर किया था। उनका कहना था कि उन्होंने 21 अक्टूबर 2019 को भोपाल से स्पेन के बार्सिलोना में रहने वाले अपने बेटे के लिए पांच किलो का एक पैकेट भेजा था। उसमें उनकी पत्नी के हाथ की बनी मिठाई, नमकीन और सूखे मेवे थे। 12 दिन बाद भी बेटे को पैकेट नहीं मिला तो उन्होंने कूरियर सर्विस से पूछताछ की। तब उन्हें बताया गया कि पार्सल दिल्ली वापस भेज दिया गया है। बाद में उन्हें एक ई-मेल के माध्यम से सूचित किया गया कि खाद्य पदार्थ की कूरियर से डिलिवरी स्पेन में प्रतिबंधित है। ऐसे में उसे नहीं भेजा जा सकता। उपभोक्ता का कहना था कि डीटीडीसी कूरियर सर्विस को स्पेन में इस तरह की डिलीवरी के प्रतिबंधित होने की जानकारी पहले से थी। उसके बाद भी उन्हें इसके बारे में नहीं बताया गया। जबकि कूरियर कंपनी के कर्मचारियों ने ही खाद्य सामग्री की पैकिंग की थी। जिससे आहत पिता ने उपभोक्ता आयोग में कूरियर कंपनी के खिलाफ परिवाद दायर किया।

शिक्षावर्ग प्रकटोत्सव समारोह हुआ

भोपाल। बीते पंद्रह दिन से रायसेन,सिरोंज एवं विदिशा में आयोजित राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ, मध्यभारत प्रान्त के संघ शिक्षा वर्गों का प्रकटोत्सव समारोह गत दिवस सम्पन्न हुआ। इस अवसर पर वर्ग के दौरान प्रशिक्षण प्राप्त करने वाले स्वयंसेवकों ने सूर्य नमस्कार, योग, व्यायाम योग, दंड युद्ध, नियुद्ध और पदविन्यास का प्रभावी प्रदर्शन किया। मुख्यवक्ता प्रांत संघचालक अशोक पांडेय ने कहा कि शुरुआती दौर में संघ को उपेक्षा, उपहास और अपमान का सामना करना पड़ा, फिर भी संघ समाज हित में निरंतर कार्य करते हुए जन-जन तक पहुंचा। वर्तमान में देशभर में संघ की लगभग 73,000 शाखाएं, हजारों मिलन और 40 से अधिक समविचारी संगठन सक्रिय हैं। उन्होंने पंच परिवर्तन के विषय पर प्रकाश डालते हुए कहा कि संघ शताब्दी वर्ष में समाज में पाँच परोपकारी कार्य लेकर समाज की दृष्टि से कार्य कर रहा है

माशिमं: स्कूल शिक्षा विभाग ने जिलों से मांगा है ब्यौरा, कुछ जिलों से अधूरी, तो कहीं से जानकारी ही नहीं भेजी

प्रदेश के 91 हजार मेधावी विद्यार्थियों को दिए जाएंगे लैपटॉप

सवा दो सौ करोड़ रू. खर्च करेगी सरकार

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

प्रदेश के 91 हजार से अधिक मेधावी विद्यार्थियों को इस बार लैपटॉप राशि आवंटित की जाएगी। इसके लिए प्रदेश सरकारी करीब सवा दो सौ करोड़ रूपए खर्च करेगी। इसको लेकर तैयारियां शुरू हो गई हैं। हालांकि विभाग द्वारा आदेश जारी करने के बाद अब तक सभी जिलों से जानकारी मुख्यालय नहीं भेजी गई है। कई जिलों से अधूरी तो कहीं से जानकारी भेजी ही नहीं गई है।

दरअसल, प्रदेश में माध्यमिक शिक्षा मंडल की कक्षा बारहवीं में 75 प्रतिशत या उससे अधिक अंक पाने वाले प्रतिभाशाली विद्यार्थियों लैपटॉप राशि आवंटित करने को लेकर प्रक्रिया शुरू कर दी है। ऐसे विद्यार्थियों की बैंक खाता सहित अन्य जानकारी विभाग ने सभी जिलों को भेजने के निर्देश दिए हैं। प्रतिभाशाली विद्यार्थी प्रोत्साहन योजना के अंतर्गत माध्यमिक शिक्षा मंडल की वर्ष 2024-25 की हायर सेकेंडरी परीक्षा में 75 प्रतिशत या इससे अधिक अंक पाने वाले विद्यार्थियों को शिक्षा पोर्टल बैंक खाते दर्ज करने के निर्देश लोक शिक्षण संचालनालय ने जारी किए हैं। सभी जिलों को निर्देश दिए गए हैं कि एक सप्ताह में अपने जिले के प्रतिभाशाली विद्यार्थियों की सूची के आधार पर बैंक खाते की डिटेल शिक्षा पोर्टल पर अपडेट कराएं ताकि सिंगल क्लिक के माध्यम से 25-25 हजार रुपए भेजे जा सकें।

25-25 हजार रूपए की राशि दी जाएगी

आदेश में कहा है कि मुख्यमंत्री की उपस्थिति में 12वीं कक्षा में 75 प्रतिशत या अधिक अंक लाने वाले विद्यार्थियों को लैपटॉप खरीदी के लिए 25-25 हजार रुपए की राशि डीबीटी योजना से प्रदान की जाती है। माशिमं के संदर्भित पत्र द्वारा शिक्षण सत्र 2024-25 की कक्षा 12वीं की परीक्षा में प्रथम प्रयास में 75 प्रतिशत अथवा उससे अधिक अंक अर्जित करने वाले योजना के तहत पात्र विद्यार्थियों की जानकारी भेजी गई है जो पोर्टल पर उपलब्ध है।

- तकनीकी शिक्षा विभाग ने शुरू की तैयारी, 30 जून अंतिम तिथि

एमप्लान-एमटेक में प्रवेश के लिए पंजीयन 10 से होंगे शुरू

भोपाल। तकनीकी शिक्षा विभाग ने मास्टर और प्लानिंग (एमप्लान) और मास्टर आफ टेक्नालाजी (एमटेक) में प्रवेश के लिए समय सारणी जारी कर दी है। इस बार प्रदेश के एमटेक की नौ हजार और एम प्लानिंग करीब 200 सीटों पर प्रवेश किए जाएंगे। दो राउंड की काउंसलिंग और एक कॉलेज लेवल काउंसलिंग (सीएलसी) के माध्यम से प्रवेश की प्रक्रिया पूरी की जाएगी। खास बात यह है कि अर्हकारी परीक्षा के आधार पर रजिस्ट्रेशन 10 जून से 19 जुलाई तक उपलब्ध रहेंगे। इसके बाद शेष प्रक्रिया सेकंड राउंड काउंसलिंग के अनुसार होगी। आगामी 10 जून से विद्यार्थी ऑनलाइन रजिस्ट्रेशन कर पाएंगे, जो 30 जून तक होंगे। इस दौरान रजिस्ट्रेशन निरस्त भी किए जा सकते हैं। इसके बाद रजिस्ट्रेशन में सुधर 1-2 जुलाई को होगा। 15 जून से 4 जुलाई तक च्वाइस लॉक होगी। च्वाइस फिलिंग में परिवर्तन की सुविधा अंतिम दो दिन उपलब्ध रहेगी। इसके बाद कॉमन मेरिट लिस्ट पांच जुलाई को जारी होगी। अलॉटमेंट लेटर और संबंधित कॉलेज में उपस्थिति 10 से 15 जुलाई तक देनी होगी।

कालापीपल विधायक चंद्रवंशी ने सीएम को लिखा पत्र

ऑपरेशन सिंदूर को ढाल बना भाजपा विधायक ने शस्त्र लाइसेंस से रोक हटाने की मांग की

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

ऑपरेशन सिंदूर को ढाल बनाकर प्रदेश के एक भाजपा विधायक ने सीएम से शस्त्र लाइसेंस जारी करने पर लगी रोक हटाने की मांग की है। विधायक कालापीपल से घनश्याम चंद्रवंशी है उन्होंने शनिवार पत्र लिखा है। जिसमें कहा है कि उक्त ऑपरेशन से लोग काफी उत्साहित हैं, लोगों में स्व जागरण का भाव है। आत्मरक्षा व शास्त्र के साथ शस्त्र का ज्ञान जरूरी है। बहनों का बंदूक चलाने में दक्ष होना चाहिए, इसके लिए प्रशिक्षण की व्यवस्था हो। नवीन शस्त्र लाइसेंस जारी किए जाने चाहिए।

गृह विभाग के पास आ रहे सैंकड़ों आवेदन

गृह विभाग के पास शस्त्र लाइसेंस के सैंकड़ों आवेदन आ रहे हैं, प्रक्रिया बंद होने के कारण इनका निराकरण नहीं हो पा रहा है। सूत्रों के मुताबिक कई राजनीतिक लोग नवीन लाइसेंस चाहते हैं, जिसका रास्ता नहीं खुल रहा है,

इसकी वजह से परेशान है।

आतंकवाद जैसी स्थिति से निपटने के लिए जरुरी

विधायक ने कहा कि आतंकवाद जैसी स्थिति से लड़ने के लिए आज स्वेच्छा से कई आम नागरिक तैयार है, ऐसे लोगों की भावनाओं का आदर करते हुए उक्त पत्र लिखा है। विधायक का मानना है कि पहलगाम में जिस तरह बहनों को निशाना बनाया, उससे मन बहुत व्याकुल है, बहनों को आत्मरक्षा के लिए प्रशिक्षित किया जाना आज की जरुरत महसूस हो रही है।

भोपाल पटना को जोड़ने वंदेभारत की शुरूआत जल्द

भोपाल। रानी कमलापति रेलवे स्टेशन से पटना के बीच वंदे भारत स्लीपर ट्रेन की शुरुआत जल्द होने जा रही है। रेलवे सूत्रों के मुताबिक, यह ट्रेन अगले दो महीनों में पटरी पर दौड़ने लगेगी। ट्रेन की शुरुआत से भोपाल और पटना के बीच की दूरी अब कम समय में तय की जा सकेगी। चेन्नई में इस वंदे भारत स्लीपर ट्रेन का नया रैक पूरी तरह से तैयार हो चुका है। यह ट्रेन दो राजधानियों को जोड़ेगी,रेलवे बोर्ड द्वारा इस वंदे भारत स्लीपर ट्रेन का आवंटन पटना रेल मंडल को किया जाएगा। ट्रेन के संचालन की पूरी तैयारी भोपाल और पटना रेल मंडलों द्वारा की जा चुकी है। ट्रेन की समयसारिणी और किराया संरचना ट्रेन आवंटन के बाद ही घोषित की जाएगी।

भगवान कला केन्द्र में समर कैंप का समापन

प्रतिभाएं निखरीं, संस्कृति का मान बढ़ा

हिरदाराम नगर, दोपहर मेट्रो।

भगवान कला केंद्र द्वारा आयोजित समर कैंप का समापन सांस्कृतिक कार्यक्रमों के साथ हुआ, बच्चों ने अपनी रंगारंग प्रस्तुतियों से भारत की समृद्ध सांस्कृतिक विविधता, मातृ प्रेम और राष्ट्रीय एकता का सशक्त संदेश दिया।

समारोह में हीरो ज्ञानचंदानी, भगवान दामानी, मनोहर शेवानी, पंकज गुरमलानी, देवीदास उत्तमचंदानी, अनिल टिलवानी, थावर वरलानी और मोहनलाल आसवानी अतिथि के रूप में शामिल हुए।कार्यक्रम का संचालन संस्था की प्रशासनिक अधिकारी पूर्वा परयानी ने किया। समर कैंप की प्रभारी शालू वरलानी और भावना ग्वालानी

सांस्कृतिक कार्यक्रमों को तैयार कराया। भगवान कला केंद्र के सभी शिक्षकों और कर्मचारियों के सहयोग और अथक प्रयासों से यह समर कैंप संपन्न हुआ। इस कैंप ने बच्चों को अपनी प्रतिभा निखारने के साथ-साथ सामाजिक और सांस्कृतिक मूल्यों को आत्मसात करने का भी एक अनूठा अवसर प्रदान किया, जिससे उनका सर्वांगीण विकास सुनिश्चित हुआ।

न्यायालयीन निर्णय पेंशनरों के पक्ष में

वेतन वृद्धि का वित्तीय लाभ 6 सप्ताह में 7% ब्याज के साथ करने के आदेश

भेपाल। 30 जून व 31 दिसंबर को सेवानिवृत्त शासकीय सेवकों को 1 जुलाई /1 जनवरी को एक वेतन वृद्धि देने के संबंध में पेंशनर्स वेलफेयर एसोसिएशन द्वारा दायर याचिका में उच्च न्यायालय जबलपुर ने पेंशनरों के पक्ष में निर्णय पारित किया। एसोसिएशन की ओर से प्रदेश अध्यक्ष आमोद सक्सेना एवं नर्मदापुरम के अध्यक्ष दिनेश चतुर्वेदी की याचिका पर न्यायालय ने आदेश में 20 फरवरी 2025 को पारित आदेश संदर्भित कर निर्णय दिया। आदेश में न्यायालय ने स्पष्ट किया कि वित्तीय लाभ केवल 1 मई 23 से 7त्न ब्याज के साथ दिया जाएगा साथ ही वेतन वृद्धि उपरांत सभी परिणामी लाभ देने के भी आदेश दिए। न्यायालय ने अपने आदेश में एवं सिद्धराज (सुप्रा) मामले में पारित सर्वोच्च न्यायालय के आदेश अनुसार बड़ी हुई वेतन वृद्धि का लाभ 6 सप्ताह की अवधि के भीतर करने के भी आदेश शासन को दिए हैं।

एक शपथ, लाखों जिंदगियां: भोपाल में हुआ एंटी-टोबैको कॉन्क्लेव

भोपाल। ग्लोबल वेलफेयर स्माइल फाउंडेशन卐 द्वारा एंटी टोबैको कॉन्क्लेव का आयोजन किया गया। समन्वय भवन भोपाल में आयोजित कार्यक्रम में लोगों को तंबाकू से होने वाले गंभीर दुष्परिणामों के प्रति जागरूक किया गया। डॉ. पूजा त्रिपाठी के नेतृत्व में चलाए गए इस मिशन को गोल्डन बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड में शामिल किया गया — यह प्रदेश में स्वास्थ्य जागरूकता की दिशा में एक ऐतिहासिक उपलब्धि है। कॉन्क्लेव में स्वास्थ्य सेवा के योद्धाओं को सम्मानित कर एक प्रेरणादायक संदेश दिया गया। उप मुख्यमंत्री जगदीश देवड़ा ने एक साफ और साहसिक संदेश देते हुए कहा कि नशे की आदत छोड़ना आसान नहीं, लेकिन संकल्प और लक्ष्य के साथ यह संभव है।42,000 लोगों द्वारा तंबाकू छोड़ने की शपथ को उन्होंने जान बचाने का अभियान करार दिया और कहा कि जब समाज मिलकर कार्य करता है, तभी असली परिवर्तन आता है।

शिव मंदिर में भक्तिमय भजन संध्या का हुआ आयोजन

हिरदाराम नगर। पंडित दीनदयाल कन्या महाविद्यालय के पीछे स्थित शिव मंदिर प्रांगण में नवनिर्मित चादर शेड के निर्माण के अवसर पर राधे राधे महिला मंडल द्वारा भजन जागरण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। पार्षद का शाल श्रीफल से सम्मान किया गया।

राधे राधे महिला मंडल अपनी सामाजिक और धार्मिक गतिविधियों के लिए जानी जाती है। मंडल द्वारा प्रतिवर्ष श्रावण मास में एक माह तक पार्थिव शिवलिंग का निर्माण किया जाता है और शाम को विसर्जन घाट पर उनका विसर्जन किया जाता है। इस अवसर पर, भुवनेश्वर रेखा कुशवाह, ओम प्रकाश यादव, कमला यादव, संजय प्रजापति, सीता प्रजापति, मनीराम यादव, लक्ष्मी यादव, ओम प्रकाश, रेखा प्रवीण, करुणा, अल्का, श्यामलाल, नर्मदा नामदेव, गीता प्रसाद, महेश नागर, सचिन तिवारी, परशु पेसवानी सहित अन्य धोबी घाट निवासी और बड़ी संख्या में महिलाएं उपस्थित रहीं।

मेट्रो एंकर | सिंधु भवन ट्रस्ट में स्किल डेवलपमेंट सेमिनार

युवाओं को मिले सफलता के 30 अनमोल मंत्र

हिरदाराम नगर, दोपहर मेट्रो।

मध्य प्रदेश सिंधु भवन ट्रस्ट के तत्वावधान में आयोजित एक दिवसीय स्किल सेमिनार का भव्य समापन हुआ, जिसमें पर्सनैलिटी डॉक्टर इना छाबड़िया ने मुख्य वक्ता के रूप में शिरकत कर युवाओं को सफलता के अनमोल मंत्र दिए। इस सेमिनार का मुख्य उद्देश्य 12 से 18 वर्ष की आयु वर्ग के छात्रों को भविष्य की चुनौतियों के लिए तैयार करते हुए आवश्यक सॉफ्ट स्किल्स, टेक्निकल स्किल्स और अकेडमिक स्किल्स से परिचित कराना था।

कार्यक्रम की शुरुआत ट्रस्ट के अध्यक्ष राजेंद्र मनवानी के स्वागत भाषण से हुई, जिन्होंने छात्रों से अपनी प्रतिभा को पहचानने और आज की मेहनत से एक उज्जवल भविष्य की नींव रखने का आह्वान किया। मुख्य वक्ता,

पर्सनैलिटी डॉक्टर इना छाबड़िया ने अपने प्रेरणादायक सत्र में 30 से अधिक महत्वपूर्ण स्किल्स पर विस्तार से चर्चा की। इनमें कम्युनिकेशन, क्रिटिकल थिंकिंग, टाइम मैनेजमेंट डिजिटल लिटरेसी, लीडरशिप और टीम वर्क जैसी क्षमताएँ शामिल थीं। उन्होंने स्पष्ट किया कि ये स्किल्स विद्यार्थियों को न केवल व्यक्तिगत विकास में सहायक होंगी, बल्कि उन्हें राष्ट्र निर्माण में भी सक्रिय योगदान देने में सक्षम बनाएंगी। मध्य प्रदेश मानव अधिकार आयोग के अध्यक्ष मनोहर ममतानी ने कार्यक्रम की गरिमा बढ़ाते हुए मुख्य अतिथि के रूप में छात्रों का मार्गदर्शन किया। इस अवसर पर ट्रस्ट के सचिव हरीश ज्ञानचंदानी और महासचिव मोहनलाल वाली ने भी अपने विचार साझा किए और बच्चों को अपने जीवन के अनुभवों से प्रेरणा लेने की सलाह दी। सेमिनार का एक विशेष आकर्षण इंटरैक्टिव प्रश्नोत्तर सत्र रहा, जिसमें छात्रों के साथ-साथ उनके अभिभावकों ने भी सक्रिय रूप से भाग लिया। इस सत्र में करियर संबंधी विभिन्न शंकाओं का समाधान किया गया, जिससे छात्रों को अपने भविष्य की दिशा तय करने में स्पष्ट मार्गदर्शन मिला।

मेट्रोपॉलिटन विजन 2025

इम्पैक्ट फीचर

विकास के नए कदम

अब 'मप्र महानगर क्षेत्र नियोजन एवं विकास अधिनियम 2025' को मंजूरी मिलने के बाद इंदौर और भोपाल में महानगर योजना समिति और महानगर क्षेत्र विकास प्राधिकरण का गठन संभव होगा। ये प्राधिकरण शहरों के समन्वित विकास की दिशा में कार्य करेंगे। इनकी अध्यक्षता स्वयं मुख्यमंत्री करेंगे।

मंत्री परिषद ने लोकमाता अहिल्या देवी को किया नमन।

राजबाड़ा में मंत्री परिषद की बैठक।

ऐतिहासिक अवसर: लोकमाता अहिल्याबाई होल्कर की 300वीं जयंती पर प्रदेश सरकार की विकास योजनाओं को नई दिशा

मेट्रोपॉलिटन प्रोजेक्ट... दिल्ली-एनसीआर की तरह भोपाल-इंदौर भी पास के शहरों से जुड़ेंगे

इंदौर-भोपाल मेट्रोपॉलिटन अथॉरिटी के गठन को हरी झंडी, अधिनियम पारित

इंदौर-भोपाल को यह लाभ होंगे

शिक्षा और स्वास्थ्य

महानगर योजना के तहत नए स्कूल, कॉलेज, अस्पताल और मेडिकल संस्थान स्थापित किए जाएंगे, जिससे शिक्षा और स्वास्थ्य सेवाएं सुलभ होंगी। इससे ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों में बराबरी का विकास होगा। मेडिकल इंफ्रास्ट्रक्चर मजबूत होगा और लोगों को गुणवत्तापूर्ण सेवाएं समय पर उपलब्ध होंगी।

आवास और बुनियादी सुविधाएं

इस योजना के अंतर्गत योजनाबद्ध हाउसिंग प्रोजेक्ट्स विकसित किए जाएंगे, जिससे कम आय वर्ग के लोगों को भी बेहतर आवास मिल सकेगा। बिजली, पानी, सीवेज और सड़क जैसी मूलभूत सुविधाओं में सुधार होगा, जिससे जीवन स्तर में व्यापक बदलाव आएगा और अव्यवस्थित बस्तियों में कमी आएगी।

औद्योगिक विकास

औद्योगिक क्षेत्रों का विस्तार, नई इकाइयों की स्थापना और निवेश को बढ़ावा देने के प्रयास किए जाएंगे। इससे स्थानीय स्तर पर रोजगार के अवसर तेजी से बढ़ेंगे। युवा और कुशल श्रमिकों को काम मिलेगा, जिससे प्रदेश की अर्थव्यवस्था को गति मिलेगी और आत्मनिर्भरता की दिशा में मजबूती आएगी।

यातायात और परिवहन

बेहतर सड़क नेटवर्क, मेट्रो, बस रूट और मल्टी-मॉडल ट्रांसपोर्ट सिस्टम विकसित किए जाएंगे। इससे यात्रा समय घटेगा, ट्रैफिक जाम कम होंगे और परिवहन सुरक्षित व सुलभ बनेगा। नागरिकों को एक शहर से दूसरे शहर तक बेहतर कनेक्टिविटी मिलेगी, जिससे आर्थिक गतिविधियाँ भी तेज होंगी।

स्मार्ट टेक्नोलॉजी

महानगरों में स्मार्ट ट्रैफिक सिस्टम, ऑनलाइन नागरिक सेवाएं, सेंसर आधारित स्ट्रीट लाइटिंग और स्मार्ट वॉटर मैनेजमेंट जैसी टेक्नोलॉजी लागू होंगी। डेटा एनालिटिक्स से शहरी प्रबंधन बेहतर होगा, पारदर्शिता बढ़ेगी और नागरिकों को अपनी समस्याओं का समाधान डिजिटल प्लेटफॉर्म्स पर शीघ्रता से मिल सकेगा।

पर्यावरण संतुलन

हरियाली बढ़ाने, झीलों और नदियों के संरक्षण, वर्षा जल संचयन और कचरा प्रबंधन की योजनाएं लागू होंगी। इससे जलवायु संतुलन बेहतर होगा, शहरी गर्मी और प्रदूषण कम होगा।

भोपाल | मध्यप्रदेश सरकार ने एक ऐतिहासिक निर्णय लेते हुए "मध्यप्रदेश महानगर क्षेत्र नियोजन एवं विकास अधिनियम-2025" को मंजूरी दे दी है। इस अधिनियम के लागू होने के बाद प्रदेश में शहरी विकास और नियोजन के लिए एक नया ढांचा तैयार होगा। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की अध्यक्षता में हुई मंत्री-परिषद की ऐतिहासिक बैठक में इस अधिनियम को स्वीकृति प्रदान की गई।

इस अधिनियम के माध्यम से राज्य सरकार अब "महानगर योजना समिति" और "महानगर क्षेत्र विकास प्राधिकरण" का गठन कर सकेगी। शुरुआत में यह व्यवस्था इंदौर-उज्जैन-देवास-धार और भोपाल-सीहोर-रायसेन-विदिशा-ब्यावरा क्षेत्रों में लागू होगी। इन क्षेत्रों को एकीकृत शहरी विकास के लिए 'महानगर क्षेत्र' के रूप में विकसित किया जाएगा।

• **महानगर क्षेत्र नियोजन क्यों है जरूरी:** आज के समय में महानगरों की जनसंख्या तेजी से बढ़ रही है। इससे जुड़ी चुनौतियां भी बढ़ी हैं- जैसे यातायात की भीड़, अव्यवस्थित कॉलोनियां, कचरा प्रबंधन, जल संकट और बुनियादी सेवाओं की कमी। इन समस्याओं के समाधान के लिए जरूरी है कि शहरों का विकास सुनियोजित ढंग से हो।

महानगर क्षेत्र नियोजन अधिनियम का उद्देश्य शहरी क्षेत्रों के लिए दीर्घकालीन, एकीकृत और समग्र विकास योजना तैयार करना है। इससे न केवल बुनियादी सेवाओं में सुधार होगा, बल्कि क्षेत्रीय आर्थिक विकास और रोजगार के नए अवसर भी पैदा होंगे।

अधिनियम के अनुसार- दो प्रमुख संस्थाओं का गठन किया जाएगा

• **महानगर योजना समिति** : यह समिति विकास योजनाओं के मसौदे को अंतिम रूप देगी और उसे राज्य सरकार को मंजूरी के लिए भेजेगी।

• **महानगर क्षेत्र विकास प्राधिकरण** : यह संस्था योजनाओं को जमीन पर लागू करने का काम करेगी। इसमें शहरी स्थानीय निकाय, नगरीय प्रशासन, पर्यावरण, आवास और परिवहन से जुड़े विशेषज्ञ शामिल होंगे।

इस प्रणाली के तहत हर महानगर क्षेत्र के लिए एक समर्पित विकास योजना बनाई जाएगी, जिसमें शिक्षा, स्वास्थ्य, परिवहन, उद्योग, पर्यावरण और आवास जैसी प्राथमिकताओं को शामिल किया जाएगा।

किन क्षेत्रों को मिलेगा सीधा लाभ?

फिलहाल दो महानगर क्षेत्रों में इस अधिनियम के तहत काम शुरू किया जाएगा-

• इंदौर-उज्जैन-देवास-धार महानगर क्षेत्र

• भोपाल-सीहोर-रायसेन-विदिशा-ब्यावरा महानगर क्षेत्र.... इन क्षेत्रों में पहले से ही तेजी से शहरीकरण हो रहा है। अब एकीकृत योजना के तहत इन क्षेत्रों में बेहतर सड़कों, परिवहन व्यवस्था, स्वास्थ्य सेवाओं, जल प्रबंधन, ठोस अपशिष्ट प्रबंधन, औद्योगिक क्लस्टर और आवासीय सुविधाओं का विस्तार होगा।

सरकार की दूरदृष्टि

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने पहले ही संकेत दे दिया था कि जिन शहरों की आबादी 10 लाख से अधिक है, उन्हें महानगर क्षेत्र के रूप में विकसित किया जाएगा। यह अधिनियम इसी घोषणा का क्रियान्वयन है। मुख्यमंत्री ने कहा कि "महानगर क्षेत्र विकास अधिनियम प्रदेश के तेजी से बढ़ते शहरों के लिए भविष्य की बुनियाद है। इससे हमारे शहरों में जीवनस्तर सुधरेगा और नागरिकों को सुगम सेवाएं मिलेंगी।"

जबलपुर, ग्वालियर, सागर और कटनी जैसे अन्य शहरों के लिए भी रास्ता खुलेगा

• मेट्रोपॉलिटन क्षेत्र अधिनियम की शुरुआत दो क्षेत्रों से की गई है, जिससे एकीकृत शहरी विकास की प्रक्रिया को मजबूती मिलेगी और शासन में बेहतर समन्वय स्थापित हो सकेगा।

• भविष्य में जबलपुर, ग्वालियर, सागर और कटनी जैसे अन्य तेजी से बढ़ते शहरी क्षेत्रों को भी इस अधिनियम के तहत शामिल किए जाने की योजना है।

• अधिनियम शहरी विकास की दिशा तय करेगा, जिससे बुनियादी ढांचे, परिवहन, आवास और सेवाओं का संतुलित एवं दीर्घकालिक विकास सुनिश्चित किया जा सकेगा।

• राज्य के शहरी क्षेत्रों में संसाधनों के बेहतर उपयोग और विकास परियोजनाओं में पारदर्शिता लाने के लिए यह अधिनियम एक सशक्त उपकरण के रूप में कार्य करेगा।

• मेट्रोपॉलिटन योजना से स्थानीय निकायों, योजनाकारों और निवेशकों के बीच बेहतर समन्वय स्थापित होगा, जिससे विकास कार्य तेज गति से पूरे किए जा सकेंगे।

शहर को झुग्गीमुक्त बनाने पर जोर

भोपाल को मेट्रोपॉलिटन शहर बनाने के लिए तैयार होगी 25 वर्षों की कार्ययोजना

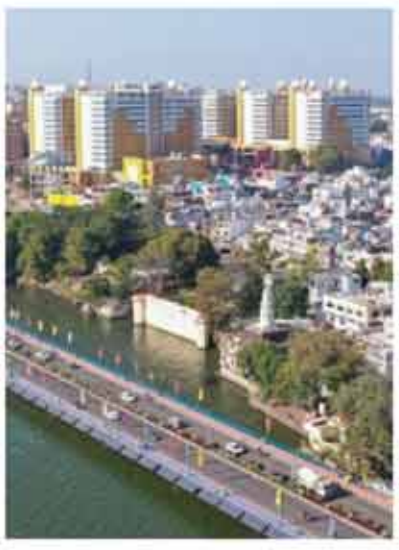

भोपाल को मेट्रोपॉलिटन शहर के रूप में विकसित करने के लिए आगामी 25 वर्षों की कार्ययोजना तैयार की जाएगी। इस योजना का प्रारूप हाउसिंग बोर्ड, भोपाल विकास प्राधिकरण (BDA) और स्मार्ट सिटी मिशन द्वारा संयुक्त रूप से तैयार किया जाएगा।

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने स्पष्ट निर्देश दिए हैं कि शहर को झुग्गीमुक्त किया जाए। इसके लिए जनप्रतिनिधियों और स्थानीय नेताओं से सुझाव लेकर समाधान निकालने पर बल दिया गया है। उन्होंने कहा कि झुग्गियों को हटाने से पहले वहां रहने वाले लोगों के लिए वैकल्पिक भवनों का निर्माण किया जाए, जिससे उन्हें किसी प्रकार की परेशानी न हो।

मुख्यमंत्री ने निर्देश दिए कि भवन निर्माण की प्रक्रिया आगामी माह अक्टूबर से ही प्रारंभ कर दी जाए। साथ ही, उन्होंने सड़कों से संबंधित स्वीकृत कार्यों को तय समय-सीमा में पूर्ण करने के भी निर्देश दिए।

मेट्रोपॉलिटन सिटी प्रोजेक्ट से ये होंगे बड़े फायदे...

इन्फ्रास्ट्रक्चर, रियल एस्टेट और ट्रांसपोर्ट आदि तमाम सेक्टर में खुलेंगे रोजगार के नए अवसर

भोपाल जब कोई शहर मेट्रोपॉलिटन सिटी (महानगर) बनता है, तो वहां समग्र विकास होता है, जो सीधे तौर पर रोजगार के नए अवसर पैदा करता है। सबसे पहले, बुनियादी ढांचे का निर्माण होता है। सड़क, फ्लाईओवर, मेट्रो, ब्रिज, जल निकासी, और बिजली जैसी परियोजनाओं में मजदूरों से लेकर इंजीनियरों तक सभी को रोजगार मिलता है। इसके अलावा निर्माण सामग्री, मशीनरी और तकनीकी सेवाओं से जुड़े लोगों को भी काम मिलता है।

रियल एस्टेट और हाउसिंग : रियल एस्टेट और हाउसिंग सेक्टर तेजी से बढ़ता है, जिससे राजमिस्त्री, इलेक्ट्रीशियन, प्लंबर, आर्किटेक्ट और मैनेजमेंट प्रोफेशनल्स की मांग बढ़ती है। मेट्रोपॉलिटन सिटी बनने से बड़ी कंपनियों और स्टार्टअप्स का निवेश भी आकर्षित होता है, जिससे युवाओं को आईटी, मार्केटिंग, कस्टमर सपोर्ट और अन्य सेक्टर्स में रोजगार मिलता है। इसके साथ ही बेहतर कनेक्टिविटी से लॉजिस्टिक्स और ट्रांसपोर्ट सेक्टर मजबूत होता है।

स्वास्थ्य, हॉस्पिटैलिटी को भी बढ़ावा

• ड्राइवर, डिलीवरी एजेंट, वेयरहाउस स्टाफ और ट्रांसपोर्ट मैनेजर जैसे पदों पर रोजगार मिलता है। स्वास्थ्य और शिक्षा में सुधार होने से डॉक्टर, नर्स, टीचर, प्रशासनिक कर्मचारी आदि की जरूरत बढ़ती है।

• शहर का सौंदर्यीकरण और स्मार्ट सुविधाओं का विकास पर्यटन और सेवा उद्योग को भी बढ़ावा देता है, जिससे होटल, रेस्टोरेंट और ट्रैवल सेवाओं में नौकरियां बढ़ती हैं। इस तरह मेट्रोपॉलिटन सिटी लाखों लोगों के लिए रोजगार का आधार बनती है।

• मेट्रोपॉलिटन रीजन की योजना तैयार करने हेतु 18 विभाग चिह्नित किए गए हैं जो विभिन्न प्रकार के डेटा एकत्र करेंगे। जैसे भूमि उपयोग, जनसंख्या, यातायात, जल संसाधन, कृषि, उद्योग, पर्यावरण आदि। प्रत्येक विधानसभा क्षेत्र के आधार पर डेटा एकत्र किया जाएगा। जल्द ही डीपीआर (डिटेल्ड प्रोजेक्ट रिपोर्ट) बनाने के लिए टेंडर निकाला जाएगा, जिसके माध्यम से चयनित कंपनी को रीजन की इंजीनियरिंग योजना, लागत अनुमान और विकास कार्यों की प्राथमिकताओं पर आधारित रिपोर्ट बनानी होगी। यह रिपोर्ट अगले 14 महीनों में तैयार होनी है।

• विकास की प्रक्रिया में नगरीय निकायों की प्रशासनिक क्षमता को मजबूत किया जाएगा। बड़ी पंचायतों को नगर परिषद का दर्जा दिया जाएगा, ताकि शहरी सुविधाओं का समुचित विस्तार किया जा सके।

उज्जैन, धार, भिंड, रायसेन में वर्किंग वीमेन हॉस्टल बनेंगे, 'अद्वैत लोक' परियोजना को पुनरीक्षित मंजूरी

इंदौर के राजबाड़ा में हुई बैठक में 3 हजार 867 करोड़ रुपए की योजना और निर्माण कार्यों की स्वीकृति

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की अध्यक्षता में इंदौर के राजवाड़ा दरबार हॉल में लोकमाता देवी अहिल्याबाई होल्कर की 300वीं जयंती पर विशेष मंत्री-परिषद की बैठक हुई। यह बैठक लोकमाता के आदर्शों और मूल्यों को समर्पित थी। बैठक में कुल 3867 करोड़ रुपये की विभिन्न योजनाओं और निर्माण कार्यों को मंजूरी दी गई, जो प्रदेश के सामाजिक और आर्थिक विकास के लिए महत्वपूर्ण माने जा रहे हैं।

• बैठक में लोकमाता देवी अहिल्याबाई होल्कर प्रशिक्षण कार्यक्रम योजना को सैद्धांतिक मंजूरी दी गई। इस योजना के तहत प्रदेश के युवाओं को कौशल विकास के लिए विभिन्न प्रशिक्षण कार्यक्रम चलाए जाएंगे। इसके अलावा जरूरतमंदों को बैंक ब्याज में सालाना 1000 रुपये की छूट दी जाएगी, जिससे उनके लिए आर्थिक बोझ कम होगा। हर लाभार्थी को अधिकतम 10,000 रुपये की ब्याज सहायता जीवनभर प्राप्त होगी। इस योजना पर हर साल लगभग 100 करोड़ रुपये खर्च करने का प्रस्ताव है, जिससे युवा वर्ग की आत्मनिर्भरता और रोजगार की संभावनाओं को बल मिलेगा।

• ओंकारेश्वर में चल रही 'अद्वैत लोक' परियोजना के लिए पुनरीक्षित 2195.54 करोड़ रुपये की मंजूरी दी गई है। इस परियोजना में संग्रहालय, अद्वैत संस्थान, सूचना केंद्र, पुल और घाट के निर्माण कार्य शामिल हैं। यह धार्मिक और सांस्कृतिक पर्यटन को बढ़ावा देने की दिशा में एक बड़ा कदम होगा।

शहरी विकास, महिला सशक्तिकरण और स्वास्थ्य सेवाओं को मजबूत करने के लिए तीन प्रमुख योजनाएं

प्रदेश सरकार ने शहरी विकास, महिला सशक्तिकरण और स्वास्थ्य सेवाओं को मजबूत करने के लिए तीन प्रमुख योजनाओं को मंजूरी दी है।

• पहली योजना के तहत मुख्यमंत्री शहरी स्वच्छता मिशन को अब वर्ष 2028-29 तक बढ़ा दिया गया है। अगले चार वर्षों में इस पर 227.05 करोड़ रुपये खर्च होंगे, जिसमें से 167.74 करोड़ राज्य सरकार और 59.31 करोड़ रुपये नगरीय निकायों द्वारा दिए जाएंगे। इसका उद्देश्य शहरी क्षेत्रों में स्वच्छता व्यवस्था को और बेहतर बनाना है।

• दूसरी योजना महिलाओं की सुविधा से जुड़ी है। उज्जैन, धार, भिंड और रायसेन जैसे चार प्रमुख औद्योगिक क्षेत्रों में वर्किंग वीमेन हॉस्टल बनाए जाएंगे। इस पर कुल 249.66 करोड़ रुपये खर्च होंगे। योजना के तहत 26 हॉस्टल बनाए जाएंगे, जिनमें 222 बेड की क्षमता होगी। इस प्रकार कुल 5,572 महिला कर्मचारियों को सुरक्षित आवास की सुविधा मिल सकेगी।

• तीसरी योजना स्वास्थ्य सुविधाओं के विस्तार से जुड़ी है। इंदौर के यशवंतराव चिकित्सालय परिसर के विकास के लिए 773.07 करोड़ रुपये स्वीकृत किए गए हैं। इसमें नया अस्पताल भवन, ऑडिटोरियम, नर्सिंग हॉस्टल और पार्किंग शामिल हैं। वहीं रीवा के श्याम शाह मेडिकल कॉलेज में 321.94 करोड़ रुपये से ओपीडी, मैटरनिटी ब्लॉक और नर्सिंग कॉलेज का निर्माण होगा।

D-16028/25

संपादकीय

ताकत के लिए बदलाव के संकेत

हाल के अनुभवों और भविष्य की चुनौतियों के बीच अब भारत में तेजी से कुछ फैसले हो रहे हैं और कुछ होने वाले हैं। मसलन पांचवीं पी?ी का स्वदेशी ल?ाकू विमान का निर्माण। यह कोशिश लंबे समय से जारी है, परियोजना को एडवांस्ड मीडियम कॉम्बैट एयरक्राफ्ट या एएमसीए का नाम दिया गया है। वर्ष 2010 में दो इंजन वाले स्टेल्थ विमान को लेकर पहला व्यवहार्यता अध्ययन किया गया था, तब से माना जाता रहा कि इसे प्राथमिक तौर पर सरकारी कंपनी हिंदुस्तान एरोनॉटिक्स लिमिटेड यानी एचएएल बनाएगी। लेकिन रक्षा मंत्रालय ने इस सप्ताह एएमसीए कार्यक्रम के लिए एक क्रियान्वयन मॉडल को भी मंजूरी दी। रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन की एरोनॉटिकल डेवलपमेंट एजेंसी इस परियोजना की निगरानी करेगी मगर इसे बनाने की प्रक्रिया में निजी और सरकारी दोनों क्षेत्रों को अवसर मिलेगा। दूसरे शब्दों में कहें तो भारतीय निजी कंपनियों को यह इजाजत होगी कि वे विमान के निर्माण और उसके विकास से संबंधित निविदाओं में बोली लगा सकें। अभी तो सिर्फ प्रारंभिक मॉडल यानी प्रोटोटाइप बनने की उम्मीद है। मगर इजाजत होगी कि वे बोली लगाने से पहले संयुक्त उपक्रम या कंसोर्टियम बना सकें। वैसे तो, एचएएल के एकाधिकार का अंत अच्छी बात है। उधर खबरें हैं कि रक्षा मंत्रालय ने मार्च में प्रस्तुत एक रिपोर्ट की अनुशंसाओं को लेकर इतनी तेजी से काम किया है। कहा भी जा रहा है कि सैन्य विमान के निर्माण में निजी क्षेत्र की भूमिका ब?ाई जानी चाहिए। सैन्य बलों के शीर्ष नेतृत्व की एचएएल से असंतुष्टि भी अब कोई छिपी बात नहीं रह गई है। यह पहला मौका है जब मंत्रालय के सर्वोच्च स्तर से इस भावना के अनुरूप कदम बढ़ाया गया है। एचएएल को इस समय तेजस की आपूर्ति सुनिश्चित करने में व्यस्त होना चाहिए। वह गत वित्त वर्ष में वादे के मुताबिक 80 से अधिक ल?ाकू विमानों की आपूर्ति नहीं कर पाया था। उसे हाल ही में 156 प्रचंड हल्के ल?ाकू हेलीकॉप्टरों का भी ऑर्डर मिला है। सरकारी विमान संबंधी जरूरतों को पूरा करने के लिए एचएएल को क्रियान्वयन एजेंसी मानना समाप्त करने की जरूरत बहुत लंबे समय से थी। देश में विमान निर्माण के लिए व्यापक तंत्र राष्ट्रीय सुरक्षा की दृष्टि से अहम तो है ही इसके विनिर्माण के क्षेत्र में अन्य सकारात्मक प्रभाव भी देखने को मिलेंगे। ऐसा नहीं है कि देश में पहले से ऐसी इंजीनियरिंग क्षमता और विशेषज्ञता मौजूद नहीं है। तेजस के कई कलपुर्जे भी देश में बनाए जा रहे हैं। मगर ध्यान देने की आवश्यकता है कि एचएएल के काम में होने वाली देरी हमेशा या पूरी तरह कंपनी की ही गलती नहीं होती। कई बार उसे आपूर्ति श्रृंखला की दिक्कतों का भी सामना करना प?ता है। मसलन, तेजस के जीई इंजन का मामला। कई मौकों पर उसे ग्राहक यानी सेना की बदलती जरूरतों से निपटना होता है। सेना की अन्य शाखाओं ने हथियारों से संबंधित प्लेटफॉर्म के निर्माण में निजी क्षेत्र की भूमिका के विस्तार करने के प्रयास किए हैं। परंतु इन्हें हमेशा कामयाबी नहीं हासिल हुई क्योंकि सरकार अक्सर कंपनियों द्वारा ब? निवेश को वाजिब ठहराने के लिए आवश्यक आकार और अनुबंध आवंटन में लगने वाले समय को लेकर सतर्क रहती है। निजी क्षेत्र से निपटने के लिए उसे अपने ही मानकों से भी निपटना होगा। केवल सरकारी खरीद को औपचारिक रूप से खोल देने से बात नहीं बनेगी, बहुत सारे बदलाव लाजिमी हो जाएंगे, उम्मीद है ? इन सभी के लिए मानसिक रूप से भी तैयारी की गई होगी।

बढ़ती आबादी को ताकत बनाने की जरूरत

■ मोहन गुरुस्वामी

चिंता की बात है कि देश में जनसंख्या की विशालता से मिलने वाला लाभ कहीं आबादी से बना दुःस्वप्न बनकर न रह जाए। लंबे समय से जनसंख्या के आंकड़ों के हिसाब से मिलने वाले फायदे-नुकसानों के बारे में बोलता-लिखता आया हूं। राजनेता और उनके दलाल यह जाने बिना कि शब्दों का अर्थ क्या है, इसको लपक कर दोहराने लगते हैं। चुनौतियां हमारे सामने हैं।वह भारत, जिसकी जनसंख्या 134 करोड़ है, अब विश्व में सबसे अधिक आबादी वाला राष्ट्र है। लेकिन भारत हमेशा इतना बड़ा नहीं था, जितना कि आज है, चाहे यह जनसंख्या हो या अर्थव्यवस्था। वर्ष 1921, जिसे 'विभाजन का बड़ा साल' कहा जाता है, भारत के जनसांख्यिकीय इतिहास में सबसे महत्वपूर्ण माना जाता है। इस साल मृत्यु दर में काफी गिरावट आई और जनसंख्या वृद्धि की दर अपेक्षाकृत स्थिर रहने वाली लीक से हटकर तेजी से बढ़ने होने की शुरुआत हुई। वर्ष 1801-1921 के बीच जनसंख्या वृद्धि की रफ्तार काफी धीमी रही, लगभग 20 करोड़ से 22 करोड़ होना। लेकिन 1921 के बाद से हमारी जनसंख्या बढ़ोतरी वास्तव में आज आकाश को छूने की कगार पर है। जनसंख्या में वृद्धि 1981 में 2.22 प्रतिशत की उच्चतम दर को छू गई थी, उसके बाद से बढ़ोतरी दर घटने की ओर है। एक सदी की अवधि के अंदर, भारत की जनसंख्या में छह गुना इजाफा हुआ। अनुमान बताते हैं कि भारत में पिछले सौ वर्षों में लगभग 200 मिलियन लोग जुड़े और वर्तमान सदी के मध्य तक 200 मिलियन और लोग जुड़ने की उम्मीद है। भिन्न अनुमानों का मध्य आंकड़ा बताता है कि वर्ष 2005-50 के बीच, भारत की जनसंख्या में लगभग 45 प्रतिशत की बढ़ोतरी होगी। वृद्ध जनसंख्या (65 वर्ष से अधिक उम्र वाले) का अनुपात 2050 में 5 प्रतिशत से बढ़कर 14.5 प्रतिशत हो जाएगा, संख्या के मुताबिक कहें तो इनकी गिनती 5.7 करोड़ से बढ़कर 24 करोड़ हो जाएगी। उन्नत देशों की बुजुर्ग आबादी के अनुभवों के आधार पर हम यह अनुमान लगा सकते हैं कि वृद्धों की बढ़ती संख्या के लिए हमें कराधान, सामाजिक सुरक्षा और स्वास्थ्य देखभाल संबंधित अपनी नीतियों में समुचित योजनाएं बनाने की आवश्यकता पड़ेगी। वृद्धों की संभाल पर खर्चा अधिक होता है।चिंता का एक अन्य बड़ा पहलू है बढ़ता जनसंख्या घनत्व। अनुमान है कि जहां यह 2005 में 345 व्यक्ति प्रति वर्ग किलोमीटर था, 2050 में बढ़कर 504 प्रति वर्ग किलोमीटर हो जाएगा। बढ़ते शहरीकरण के चलन के साथ इसे जोड़कर देखने पर, आने वाले सालों में समस्याओं में इजाफे का संकेत मिलता है। साल 2000 में, कुल आबादी का केवल 28.7 प्रतिशत या लगभग 30 करोड़ लोग शहरी क्षेत्रों में बसे हुए थे; अब अनुमान है कि 2030 तक यह संख्या कुल आबादी की 40.7 प्रतिशत या लगभग 60 करोड़ हो जाएगी। इस भारी वृद्धि में विशेष रूप से मध्यम और कामकाजी वर्ग की बढ़ती आर्थिक शक्ति की भूमिका है। इसके मद्देनजर, पर्याप्त रूप से उन्नत आवास एवं शहरी बुनियादी ढांचा, मसलन, जल, सीवरेज, जन सुविधाएं, तीव्र गति परिवहन, यातायात प्रबंधन एवं पार्किंग, ऊर्जा और दूध एवं दुग्ध उत्पाद, प्रसंस्कृत खाद्य व बागवानी उत्पाद जैसे भोज्य पदार्थों की अधिक खपत और उनके कुशल वितरण के लिए प्रावधान करने की आवश्यकता पड़ेगी।

बढ़ते शहरीकरण के चलन के साथ इसे जोड़कर देखने पर, आने वाले सालों में समस्याओं में इजाफे का संकेत मिलता है। साल 2000 में, कुल आबादी का केवल 28.7 प्रतिशत या लगभग 30 करोड़ लोग शहरी क्षेत्रों में बसे हुए थे; अब अनुमान है कि 2030 तक यह संख्या कुल आबादी की 40.7 प्रतिशत या लगभग 60 करोड़ हो जाएगी। इस भारी वृद्धि में विशेष रूप से मध्यम और कामकाजी वर्ग की बढ़ती आर्थिक शक्ति की भूमिका है....

अनुमान है कि 15-64 वर्ष आयु वर्ग की गिनती जो कि 2005 में कुल आबादी का 62 प्रतिशत थी, 2050 में बढ़कर लगभग 67.3 प्रतिशत हो जाएगी, संख्या के हिसाब से कहें, तो 70 करोड़ से 112 करोड़ होना। फिलहाल भारत में हर साल कामकाजी वर्ग में 1 करोड़ 20 लाख लोग जुड़ रहे हैं। इस आयु वर्ग में वृद्धि 2030 तक तेज रहेगी, जिसके बाद से इसमें शुरू हुई गिरावट इस स्तर पर पहुंच जाएगी कि 2045-50 के बीच शायद ही कोई वृद्धि हो, जो कि 15-64 जनसंख्या समूह की संख्या में स्थिरीकरण और उसके बाद से इसके बुढ़ाते जाने का संकेत है। यह चक्र प्राकृतिक है क्योंकि जनसंख्या वृद्धि में ठहराव आता रहता है। अगले तीन दशकों की तात्कालिक चुनौती है, पहले करोड़ों नौकरियों का सृजन करना और फिर श्रमिकों की उपलब्धता में तेज गिरावट से निपटना। जैसा कि हाल-फिलहाल चीन को अनुभव करना पड़ रहा है। जनसांख्यिकीय परिभाषा में जनसंख्या स्थिरीकरण का अर्थ है एक निश्चित समयावधि में जन्म और मृत्यु दर एक समान रहना। अधिक बारीकी से कहें तो, यदि किसी आबादी की प्रजनन दर 2.1 हो जाए, तो उसे जनसंख्या स्थिर होने की संज्ञा दी जाती है। एनपीपी 2000 में परिकल्पना की गई थी कि वर्ष 2045 तक भारत को जनसंख्या स्थिरीकरण बनाना पड़ेगा। यह लक्ष्य इस धारणा पर आधारित है कि देश को वर्ष 2010 तक जनसंख्या का प्रतिस्थापन स्तर टीएफआर 2.1 तक ले आना चाहिए था। हम यह पाने में चूक गए। हालांकि टीएफआर के हालिया आंकड़े 2045 तक भी इस लक्ष्य की प्राप्ति न हो पाने का संकेत दे रहे हैं। स्वास्थ्य मंत्रालय अब जनसंख्या स्थिरीकरण पाने के वास्ते वर्ष 2060 को एक संभावित लक्ष्य के रूप में देखने लगा है। यहां पर यह उल्लेख करना उचित होगा कि जनसंख्या स्थिरीकरण, प्रतिस्थापन प्रजनन क्षमता (यानी जितने मरें, उतने पैदा हों) बनने के बहुत बाद जाकर बनता है।

वर्ष 1996 में योजना आयोग द्वारा गठित 'जनसंख्या पर तकनीकी समिति' द्वारा किए गए एक अध्ययन में अनुमान लगाया गया था कि भारत 2026 तक प्रतिस्थापन स्तर की प्रजनन दर प्राप्त कर पाएगा। लेकिन, हिंदी भाषी राज्यों में यह बिहार में 2039 तक, राजस्थान 2048 तक, मध्य प्रदेश 2060 से आगे और उत्तर प्रदेश में 2100 के बाद ही संभव होगा। हमें 2060 या 2070 से पहले राष्ट्रीय जनसंख्या स्थिरीकरण पाने की उम्मीद नहीं करनी चाहिए। ये क्षेत्रीय असमानताएं इन राज्यों में अनुमानित जनसंख्या में खतरनाक वृद्धि के रूप में फलीभूत होंगी। 1991-2050 के दौरान भारत की जनसंख्या में होने वाली 77.3 करोड़ की वृद्धि में अकेले उत्तर प्रदेश का हिस्सा 19.8 करोड़ रहेगा। जोकि सकल राष्ट्रीय जनसंख्या वृद्धि का लगभग एक-चौथाई बनता है। आइए एक नजर डालते हैं कि आने वाले वर्षों में प्रति व्यक्ति आय कितनी रहेगी। साल 2005 में एक शोधपत्र आया था 'क्या भारत एक आर्थिक महाशक्ति बन पाएगा, क्या वास्तव में और इसमें क्या-क्या रूकावट बन सकता है।' विश्व बैंक में भारत के लिएइसके प्रमुख अर्थशास्त्री स्टीफन होवेस ने ऐतिहासिक विकास दरों के आधार पर 2050 तक प्रति व्यक्ति आय का अनुमान लगाया था। यह दर्शाता है कि बिहार, उड़ीसा, उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश और पश्चिम बंगाल में 2050 में प्रति व्यक्ति आय 1000 अमेरिकी डॉलर सालाना से कम रहेगी, जो कि वर्तमान प्रति व्यक्ति सकल घरेलू उत्पाद से कम है। निश्चित तौर पर 2050 में होने वाली आय से तो और भी कम। कोई हैरानी नहीं कि ये सूबे वही हैं, जिनकी जनसंख्या वृद्धि दर बहुत ज्यादा है।

वर्ष 2020 में, भारत में 15-24 आयु वर्ग के लोगों की गिनती 24.5 करोड़ से अधिक थी। यदि बचत दरें आज जितनी बनी रहें और 2020 वाली उच्च उत्पादन क्षमता कायम रहे, तब जाकर 2050 तक हमारे पासभारत को एक विकसित और समृद्ध अर्थव्यवस्था बनाने का एक बड़ा अवसर बनेगा। यह तभी संभव होगा यदि हम लोगों को शिक्षित और सशक्त बना पाएंगे। जनसांख्यिकीय आंकड़ों का ऐसा समुच्च्य फिर कभी देखने को नहीं मिलेगा। अगर हमें अगली आधी सदी में गरीबी के मकड़जाल से बाहर निकलना है, तो मानव और आर्थिक विकास में बड़े निवेश करने का समय अभी है। दुर्भाग्य से, ऐसा कोई संकेत मिल नहीं रहा।

यह लेखक के अपने विचार हैं

आज का इतिहास

- 1862 यूसुफ ई। जॉनसन और जी। डब्ल्यू। स्मिथ के अधीन अमेरिकी गृहयुद्ध संघि सेनाओं ने रिचमंड, वर्जीनिया के बाहर सात पाइंस की लड़ाई में जॉर्ज बी। मैकलेलन के तहत केंद्रीय बलों को शामिल किया।
- 1868 पहली लोकप्रिय साइकिल दौड़ पेरिस डे सेंट-क्लाउड में आयोजित की गयी।
- 1878 जर्मनी के युद्धपोत एसएमएस ग्रोसर करफर्स्ट के डूबने से 284 लोगों की मौत।
- 1879 बर्लिन ट्रेडों प्रदर्शनी में पहला इलेक्ट्रिक रेलवे प्रदर्शनी शुरू हुई।
- 1907 अमेरिका के न्यूयार्क शहर में पहली बार टैक्सी सेवा शुरू की गयी।
- 1911 महासागर लाइनर आरएमएस टाइटैनिक का पतवार लॉन्च किया गया था। ऋरूस टाइटैनिक एक ब्रिटिश यात्री लाइनर था, जो उत्तरी अटलांटिक में डूब गया था, जब वह साउथेम्प्टन, ब्रिटेन से न्यूयॉर्क शहर, अमेरिका के लिए अपनी पहली यात्रा के दौरान एक हिमखंड से टकरा गया था। डूबने से 1,500 से अधिक यात्रियों और चालक दल का नुकसान हुआ, जिससे यह आधुनिक इतिहास में सबसे घातक वाणिज्यिक समुद्री जीवन आपदाओं में से एक बन गया।
- 1916 जर्मन कैसरलीश मरीन और ब्रिटिश रॉयल नेवी प्रथम विश्व युद्ध की सबसे बड़ी नौसैनिक लड़ाई जूटलैंड की गहन लड़ाई में भिड़ गए।
- 1921 अमेरिका के तुलसा, ओक्लाहोमा में एक बड़े पैमाने पर दौड़ दंगा शुरू हुआ, जिसमें संयुक्त राज्य अमेरिका में सबसे धनी अफ्रीकी-अमेरिकी समुदाय, गिनीवुड जिला आग से नष्ट हो गया था।
- 1924 सोवियत संघ ने बीजिंग सरकार के साथ एक समझौते पर हस्ताक्षर किए, बाहरी मंगोलिया को चीन गणराज्य का अभिन्न अंग के रूप में संदर्भित किया, जिसका संप्रभुता सोवियत संघ ने सम्मान करने का वादा किया।
- 1929 पहली बार बात करने वाला मिकी माउस कार्टून, ÷द कार्निवल किड÷ जारी किया गया था। कार्निवल किड एक 1929 की अमेरिकी एनिमेटेड लघु फिल्म है, जो वॉल्ट डिज़्नी और यूबी आईवर्क्स द्वारा निर्देशित है। यह द वॉल्ट डिज़्नी स्टूडियो द्वारा ब्लैक एंड व्हाइट में निर्मित किया गया था और सेलिब्रिटी प्रोडक्शंस द्वारा सिनेमाघरों में रिलीज़ किया गया था। यह मिकी माउस फिल्म श्रृंखला में नौवीं फिल्म है, और पहली जिसमें मिकी बोलती है।
- 1935 ब्रिटिश राज के बलूचिस्तान में 7.7 मेगावॉट के भूकंप ने पाकिस्तान के 30,000 से 60,000 लोगों को कहीं भी मार डाला।

माता-पिता और संतान के संबंधों की संस्कृति को जीवंतता दें

■ ललित गर्ग

विश्व के अधिकतर देशों की संस्कृति में माता-पिता का रिश्ता सबसे बड़ा एवं प्रगाढ़ माना गया है। भारत में तो इन्हें ईश्वर का रूप माना गया है। माता-पिता को उनके बच्चों के लिए किए गए उनके काम, बच्चों के प्रति उनकी निस्वार्थ प्रतिबद्धता और इस रिश्ते को पोषित करने के लिए उनके आजीवन त्याग के लिए सम्मान और सराहना देने के लिए प्रतिवर्ष विश्व माता-पिता (अभिभावक) दिवस 1 जून को मनाया जाता है। यह संयुक्त राष्ट्र (यूएन) का पालन दिवस है। यह दिन हमें परिवारों के विकास में माता-पिता और उनके जैसे लोगों की महत्वपूर्ण भूमिका की सराहना करने का अवसर प्रदान करता है। 2025 के लिए थीम है 'माता-पिता का पालन-पोषण'। यह थीम माता-पिता के रूप में पालन-पोषण को एक महत्वपूर्ण कौशल के रूप में मान्यता देती है और हमें माता-पिता के रूप में बच्चों के विकास और कल्याण के लिए उनकी महत्वपूर्ण भूमिका पर ध्यान केंद्रित करने के लिए प्रेरित करती है। अधिकांश देशों में सदियों से माता-पिता का सम्मान करने की परंपरा रही है। माता-पिता ईश्वर का सबसे अच्छा उपहार हैं। जीवन में कोई भी माता-पिता की जगह नहीं ले सकता। वे सच्चे शुभचिंतक हैं। माता-पिता ही बच्चों की सुरक्षा, विकास व समृद्धि के बारे में सोचते हैं। बावजूद बच्चों द्वारा माता-पिता की लगातार उपेक्षा, दुर्व्यवहार एवं प्रताड़ना की स्थितियों बड़ती जा रही है, जिन पर नियंत्रण के लिये यह दिवस मनाया जाता है। भारत में जहां कभी संतानें पिता के चेहरे में भगवान और मां के चरणों में स्वर्ग देखती थीं, आज उसी देश में संतानों के उपेक्षापूर्ण व्यवहार के कारण बड़ी संख्या में बुजुर्ग माता-पिता की स्थिति दयनीय होकर रह गई है। इस दिवस को मनाने की सार्थकता तभी है जब हम केवल भारत में ही नहीं है बल्कि विश्व में अभिभावकों के साथ होने वाले अन्याय, उपेक्षा और दुर्व्यवहार पर लगाम लगाने की भी है। प्रश्न है कि दुनिया में अभिभावक दिवस मनाने की आवश्यकता क्यों हुईड़ क्यों अभिभावकों की उपेक्षा एवं प्रताड़ना की स्थितियां बनी हुई हैड़ चिन्तन का महत्वपूर्ण पक्ष है कि अभिभावकों की उपेक्षा के इस गलत प्रवाह को कैसे रोके। क्योंकि सोच के गलत प्रवाह ने न केवल अभिभावकों का जीवन दुश्वार कर दिया है बल्कि आदमी-आदमी के बीच के भावात्मक फासलों को भी बड़ा दिया है। विचारणीय है कि अगर आज हम माता-पिता का अपमान करते हैं, तो कल हमें भी अपमान सहना होगा। समाज का एक सच यह है कि जो आज जवान है उसे कल माता-पिता भी होना होगा और इस सच से कोई नहीं बच सकता। हमें समझना चाहिए कि माता-पिता परिवार एवं समाज की अमूल्य विरासत होते हैं। इन्हीं स्थितियों को देखते हुए 2007 में माता-पिता एवं वरिष्ठ नागरिक भरण-पोषण विधेयक संसद में पारित किया गया है। इसमें माता-पिता के भरण-पोषण, वृद्धाश्रमों की स्थापना, चिकित्सा सुविधा की व्यवस्था और वरिष्ठ नागरिकों के जीवन और संपत्ति की सुरक्षा का प्रावधान किया गया है। लेकिन इन सब के बावजूद हमें अखबारों और समाचारों की सुर्खियों में माता-पिता की हत्या, लूटमार, उत्पीड़न एवं उपेक्षा की घटनाएं देखने को मिल ही जाती है। विश्व में इस दिवस को मनाने के तरीके अलग-अलग हो सकते हैं, परन्तु सभी का मुख्य उद्देश्य यह होता है कि वे अपने माता-पिता के योगदान को न भूलें और उनको अकेलेपन की कमी को महसूस न होने दें। हमारा भारत तो माता-पिता को भगवान के रूप में मानता है। इतिहास में अनेकों ऐसे उदाहरण है कि माता-पिता की आज्ञा से भगवान श्रीराम जैसे अवतारी पुरुषों ने राजपाट त्याग कर वनों में विचरण किया, मातृ-पितृ भक्त श्रवण कुमार ने अपने अन्धे माता-पिता को काँवड़ में

बैठाकर चारधाम की यात्रा कराई। फिर क्यों आधुनिक समाज में माता-पिता और उनकी संतान के बीच दूरियां बड़ती जा रही है। आज के माता-पिता समाज-परिवार से कटे रहते हैं और सामान्यतः इस बात से सर्वाधिक दुःखी है कि जीवन का विशद अनुभव होने के बावजूद कोई उनकी राय न तो लेना चाहता है और न ही उनकी राय को महत्व देता है। समाज में अपनी एक तरह से अहमियत न समझे जाने के कारण हमारे माता-पिता दुःखी, उपेक्षित एवं त्रासद जीवन जीने को विवश है। माता-पिता को इस दुःख और कष्ट से छुटकारा दिलाना आज की सबसे बड़ी जरूरत है। बुजुर्गों के साथ दुर्व्यवहार किस सीमा तक, कितना, किस रूप में और कितनी बार होता है तथा इसके पीछे कारण क्या हैं, इस पर हुए शोध में पता चला कि 82 प्रतिशत पीड़ित बुजुर्ग अपने परिवार के सम्मान के चलते इसकी शिकायत नहीं करते। शोध के निष्कर्षों के अनुसार अभिभावकों पर होने वाले अत्याचार एवं दुर्व्यवहार की स्थितियां चिन्तनीय है। जिनमें परिजनों एवं विशेषतः बच्चों के हाथों बुजुर्ग अपमान (56 प्रतिशत), गाली-गलौच (49 प्रतिशत), उपेक्षा (33 प्रतिशत), आर्थिक शोषण (22 प्रतिशत) और शारीरिक उत्पीडन् का शिकार (12 प्रतिशत) होते हैं और ऐसा करने वालों में बहुओं (34 प्रतिशत) की अपेक्षा बेटों (52 प्रतिशत) की संख्या अधिक है जबकि पिछले सर्वेक्षणों में बहुओं की संख्या अधिक पाई गयी है। प्रौद्योगिकी ने भी बुजुर्गों की उपेक्षा और उनसे दुर्व्यवहार में अपना योगदान दिया है और संतानें अपने माता-पिता की अपेक्षा मोबाइल फोन और कम्प्यूटरों को अधिक तवज्जो देती हैं। इसका बुजुर्गों के जीवन पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ रहा है।

अभिभावकों को लेकर जो गंभीर समस्याएं आज पैदा हुई हैं, वह अचानक ही नहीं हुई, बल्कि उपभोक्तावादी संस्कृति तथा महानगरीय अधुनातन बोध के तहत बदलते सामाजिक मूल्यों, नई पीड़ी की सोच में परिवर्तन आने, महंगाई के बड़ने और व्यक्ति के अपने बच्चों और पत्नी तक सीमित हो जाने की प्रवृत्ति के कारण बड़े-बूड़ों के लिए अनेक समस्याएं आ खड़ी हुई हैं। अभिभावकों के लिये भी यह जरूरी है कि वे वार्धक्य को ओड़े नहीं, बल्कि जीएं। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के दूरदर्शी नारे ÷सबका साथ, सबका विकास एवं सबका विश्वास'' की गूंज और भावना अभिभावकों के जीवन में उजाला बने, तभी नया भारत निर्मित होगा। मानवीय रिश्तों में दुनिया में माता-पिता और संतान का रिश्ता अनुपम है, संवेदनाभरा है। माता-पिता हर संतान के लिए एक प्रेरणा हैं, एक प्रकाश हैं और संभावनाओं के पुंज हैं। हर माता-पिता अपनी संतान की निषेधात्मक और दुष्प्रवृत्तियों को समाप्त करके नया जीवन प्रदान करते हैं। माता-पिता की प्रेरणाएं संतान को मानसिक प्रसन्नता और परम शांति देती है। जैसे औषधि दुख, दर्द और पीड़ा का हरण करती है, वैसे ही माता-पिता शिव पार्वती की भांति पुत्र के सारे अवसाद और दुखों का हरण करते हैं। माता पिता ही है जो हमें सच्चे दिल से प्यार करते हैं बाकी इस दुनिया में सब नाते रिश्तेदार झुठे होते हैं। पता नहीं क्यों हमे हमारे पिता इतना प्यार करते हैं, दुनिया के बैंक खाली हो जाते हैं मगर पिता की जेब हमेशा हमारे लिए भरी रहती हैं। पता नहीं जरूरत के समय न होते हुए उनके पास अपने बच्चों के लिये कहां से पैसे आ जाते हैं। भगवान के रूप में माता-पिता हमें एक सौगात हैं जिनकी हमें सेवा करनी चाहिए और कभी उनका दिल नहीं तोडना चाहिए। एक बच्चे को बड़ा और सभ्य बनाने में उसके पिता का योगदान कम करके नहीं आंका जा सकता। मां का रिश्ता सबसे गहरा एवं पवित्र माना गया है, लेकिन बच्चे को जब कोई खरोंच लग जाती है तो जितना दर्द एक मां महसूस करती है, वही दर्द एक पिता भी महसूस करते हैं। पिता कठोर इसलिये होते हैं ताकि बेटा उन्हें देख कर जीवन की समस्याओं से लड़ने का पाठ सीखे, सख्त एवं निडर बनकर जिंदगी की तकलीफों का सामना करने में सक्षम हो। माँ ममता का सागर है पर पिता उसका किनारा है। माँ से ही बनता घर है पर पिता घर का सहारा है। माँ से स्वर्ग है माँ से बैकुंठ, माँ से ही चारों धाम है पर इन सब का द्वार तो पिता ही है। आधुनिक समाज में माता-पिता और उनकी संतान के संबंधों की संस्कृति को जीवंत बनाने की अपेक्षा है

रास्ते के चयन से सिर्फ भविष्य तय नहीं होता। यह आपके चरित्र को भी दिखाता है

निशाना

घर में है बवाल !

उथल पुथल है मचा ।
घर में है बवाल ।।
सिलसिला है जारी ।
जनता करे सवाल ।।
घटित जो स्वाभाविक ।
क्या इसमें कुछ चाल ?
दाल में कुछ काला ।
या काली ही दाल ?
है चुनावी बेला ।
घूम रहे हैं प्रश्न ।
है सचमुच तकलीफ ?
या पूरा ही जश्न ।।
लेता कोई मजे ।
दिखते कुछ गंभीर ।।
इधर उधर से लेकिन ।
चल रहे हैं तीर ।।

- कृष्णेन्द्र राय

गणपति प्राण प्रतिष्ठा और शिव महापुराण कथा समापन पर हुआ विशाल भंडारा

गंजबासौदा , दोपहर मेट्रो

श्री जंगलिया आश्रम गणेश धाम में भगवान गणपति की प्रतिष्ठा के अंतिम दिवस विशाल भंडारे का आयोजन संपन्न हुआ। जिसमें शहर सहित आसपास के गांव के सैकड़ो की संख्या में भक्तों ने प्रसादी प्राप्त की इस अवसर पर कथा समापन करते हुए पंडित केशव गुरु जी ने कहा भगवान शिव को महादेव कहा जाता है संसार में कर्म करते हुए इस मंथन में ईर्ष्या राग द्वेष जलन का

शहर सहित ग्रामीण क्षेत्रों से आए सैकड़ों भक्तों ने प्रसादी ग्रहण की

जहर निकलता है संसार सागर के मंत्र में निकलने वाले जहर को जो पी लेता है उसी को विश्राम या शांति प्राप्त होती है भगवान शिव हमेशा विश्राम में रहते हैं इसका कारण है भगवान के कंठ में विश भी है एवं राम भी है जो विश्व के साथ में भगवान की शरणागति में रहता है वह शांति को प्राप्त करता है आपने कहा शिव चरित्र गूड है भगवान को ब्रह्म ईश्वर एवं भगवान के नाम से हम सभी संबोधित करते हैं ब्रह्म के अर्थ में होता है जहां भगवान निराकार स्वरूप में रहकर केवल आकाश रूप शब्द में रहता है यह आकाश रूप शब्द ही शिव तत्व है मैं ब्रह्म जब सृष्टि का विकास करता है तो सतों गुण रजोगुण एवं तमोगुण को धारण करता है सतों गुण को धारण करने से वह विष्णु रूप रजोगुण को धारण करने से ब्रह्म रूप में एवं तमोगुण को धारण करने से रूद्र रूप में सरकार बन जाता है शून्य शिव रूप में साकार हो जाता है इसको हम ईश्वर कहते हैं वही ईश्वर जब भक्तों की इच्छा के अनुकूल स्वरूप धारण कर लेता है तो इसको भगवान कहा जाता है इसलिए संपूर्ण आकाश को लिंग कहा गया एवं पृथ्वी को जलहरी की उपाधि दी गई है इसके साथ ही आपने द्वादश ज्योतिर्लिंग की कथा विस्तार पूर्वक भक्तों को श्रवण कराई इस अवसर पर क्षेत्रीय विधायक हरिसिंह रघुवंशी, समाज सेवी संतोष शर्मा, राजेश महेश्वरी, अमित दुबे पट्टू, रघुनाथ सिंह रघुवंशी, गजराज सिंह सोटिया विशेष रूप से शिव पुराण पूजन में उपस्थित रहे विशाल भंडारा दोपहर से प्रारंभ हुआ जो देर रात तक चलता रहा जिसमें रतन खेड़ी गजनई बसरिया बरखेड़ा देरखी सोटीया डाहला माधोपुर चक्र गंजबासोदा से भी बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने हिस्सा लिया

पचमढ़ी में कैबिनेट बैठक

'सैताम मिल के गाते हैं, गौंड मवासी कहाते है फिरंगियों से भी लड़ी, भभूतसिंह की पचमढ़ी'

नर्मदापुरम , दोपहर मेट्रो

प्रसिद्ध शोधकर्ता एवं समाजसेवी चाण्क्य बक्शी ने सतपुड़ा की वादियों में स्वतंत्रता की अलख जगाने वाले राजा भभूत सिंह के बारे में लिखा है कि सैताम मिल के गाते हैं, गौंड मवासी कहाते हैं, फांसीखड्ड, सांकलढोह, क्रांति गीत गाते हैं, फिरंगियों से भी लड़ी, भभूतसिंह की पचमढ़ी, स्वर्ग सी सुंदर है ये, पचमढ़ी।

प्रिय पचमढ़ी। बक्शी लिखते हैं कि अमर राष्ट्र नायक हुतात्मा वीर राजा भभूत सिंह समाज की चिर स्मृति में सदैव अमिट एवं अंकित रहेंगे। उल्लेखनीय है कि पचमढ़ी बड़ा महादेव के पारंपरिक सेवक व संरक्षक परिवार में देनवा नदी के तट पर संयुक्त पचमढ़ी जागीर की हर्राकोट राईखेड़ी शाखा के जागीरदार परिवार में राजा भभूत सिंह ने जन्म लिया था।

पचमढ़ी की महादेव चौरागढ़ पहाड़ियों में राजा अभूत सिंह की वंश परंपरा के पूर्वज अजीत सिंह थे। इस भोपा गोत्र के मवासी कोरकू ठाकुर वंश की पचमढ़ी शाखा के जागीरदार ठाकुर मोहन सिंह ने 1819-20 में अंग्रेजों के विरुद्ध नागपुर के विप्लवी राजा अप्पा साहेब भोसले का तन मन धन से सहयोग किया था। अपने पूर्वजों के पदचिन्हों पर चलते हुए युवा राजा भभूत सिंह ने भी 1857 की क्रांति के नेता तात्याटोपे के आव्हान पर 1858 में भारत के प्रथम सशस्त्र स्वातंत्र्य समर में कूदने का निर्णय लिया था। राजा भभूत सिंह अपने बड़े बूढ़े के मुख से अंग्रेजों के विरुद्ध नागपुर राजा अप्पासाहेब भोंसले के सशस्त्र संग्राम में स्थानीय जनजातीय सूरमाओं के सहयोग की कहानियां सुनते हुए बड़े हुए थे।

मुगलों व अंग्रेजों की मालिकाना अपसंस्कृति के कुसंस्कार व भोगवादी मानसिकता से ग्रस्त अंग्रेजी अमले का सामना राजा भभूत सिंह की शोषित प्रजा को करना पड़ रहा था। सरलता की प्रतिमूर्ति मवासी व गोण्ड गाँवों से अंग्रेज दरोगा व कर्मचारी जब तब देशी मुर्गा की मुफ्त में मॉग व पकड़ धकड़ कर रहे थे। राजा भभूत सिंह पीड़ा व आक्रोष से देख रहे थे कि तात्या टोपे का सहयोग करने के आरोप में पचमढ़ी के ठाकुर महेन्द्रसिंह जी को तथा शोभापुर के दरबार राजा महिपाल सिंह जी को तथा फतेहपुर के दरबार राजा किशोर सिंह जी को दबाव बना दुर्व्यवहार से अंग्रेज अपमानित कर रहे हैं। जनवरी 1859 में जयपुर में हुई तात्याटोपे की फॉसी के समाचार ने जैसे धीरज का बाँध ही तोड़ दिया।

राजा भभूत सिंह ने अपने मित्र व सेनापति होली भोई के साथ मिल कर छः माह जुलाई 1859 से जनवरी 1860 तक छापेमार युद्ध कला से अंग्रेजों की नाक में दम कर दिया। सतपुड़ा की महादेव पहाडियों के आँचल में मटकुली, पचमढ़ी, बागड़ा, बोरी के घने जंगलों में घाटियों, गुफाओं व खोहों के सहारे सतत संघर्ष चलता रहा। अंग्रेजों ने कर्नल मैक्नील डंकन के नेतृत्व में मद्रास इन्फैन्ट्री के साथ राजा भभूत सिंह के विरुद्ध अभियान छेड रखा था। राजा भभूत सिंह फिरंगियों के लिए महादेव की पहाडियों व देनवा की घाटियों के रहस्यमयी आतंक सिद्ध हुए थे। उन के चमत्कारी युद्ध कौशल ने उन्हें क्षेत्र के जनजातीय समाज की परंपरा ने दैवीय शक्तियों से युक्त श्रद्धा पुरुष मान्य किया था।

अगस्त 1859 में अंग्रेजी सेना से देनवा की सेंकरी घाटी में हुए भीषण युद्ध में राजा भभूत सिंह अपने साथियों संग सकुशल सुरक्षित निकल गए और अंग्रेजी सेना को पीछे हटना पड़ा। स्थानीय कहावतों में सुप्रसिद्ध है कि अभिमंत्रित जड़ी बूटियों से युक्त राजा अभूत सिंह का बन्दूक की गोली कुछ भी न बिगाड़ पाती थी और राजा भभूत सिंह अंग्रेजों को चकमा दे पलक झपकते हर्राकोट से गुप्त मार्गों से पुरानी पचमढ़ी पहुँच जाते थे।

सीएम डॉ मोहन यादव पचमढ़ी में 33.88 करोड़ के विकास कार्यों का लोकार्पण एवं भूमिपूजन करेंगे

नर्मदापुरम. प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव 03 जून को नर्मदापुरम के पचमढ़ी के प्रवास पर रहेंगे। मुख्यमंत्री डॉ यादव पचमढ़ी में मप्र पर्यटन विभाग के 12 करोड 49 लाख रूपए के 05 विकास कार्यों का लोकार्पण करेंगे तथा 21 करोड 39 लाख के 06 विकास कार्यों का भूमिपूजन भी करेंगे। प्राप्त जानकारी के अनुसार मुख्यमंत्री डॉ यादव महिला सशक्तिकरण अंतर्गत जटाशंकर एवं पांडव केव्स पर पिंक टॉयलेट लाउंज सुविधा जो 19 लाख रुपए की लागत से निर्मित की गई सुविधा का लोकार्पण करेंगे। इसी क्रम में 10 करोड़ रुपए की लागत से निर्मित जयस्तंभ क्षेत्रांतर्गत मार्गो के दोनों ओर पाथवे विकास, 60 लाख रुपए की लागत से निर्मित घूपगढ पर जल प्रदाय हेतु जलगली से घूपगढ तक पाईप लाईन एवं पंप हाउस, 35 लाख रुपए की लागत से निर्मित पचमढी के प्रवेश द्वार का सौंदर्गीकरण, तथा 1 करोड़ 35 लाख रुपए की लागत से निर्मित पर्यटन की इकाई सतपुडा रिट्रीट में किचन एवं रेस्टोरेंट नवीनीकरण तथा स्वीमिंग पूल का लोकार्पण करेंगे। मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव मध्यप्रदेश पर्यटन विभाग अंतर्गत 1 करोड़ 98 लाख रुपए की लागत से बनाये जाने वाले हांडी खो पर पर्यटकों की सुरक्षा एवं सुविधायें विकसित करनें का कार्य का भूमिपूजन करेंगे। इसी क्रम में मुख्यमंत्री डॉ यादव 2 करोड़ 13 लाख रुपए की लागत से बनाये जाने वाले सतपुडा टाईगर रिजर्व क्षेत्र के अंतर्गत पर्यटक स्थलों पर बुनियादी सुविधायें के विकास कार्य का, 34 लाख रूपए लागत के पॉलिथिन मुक्त पचमढी हेतु इकाईयों के लिए कांच की बोतल में आर ओ जल प्रदाय प्लांट की स्थापना का, 6 करोड़ 70 लाख रूपए की लागत से किये जाने वाले हिलटॉप बंगला को होम स्टे के रूप में परिवर्तन करनें के कार्य का, 9 करोड़ 90 लाख रूपए की लागत से बनाये जाने वाले MICE योजना के अंतर्गत कम्युनिटी सेंटर का विकास कार्य का तथा 34 लाख रूपए की लागत से बनाये जानें वाले ग्लेन व्यू में केन्द्रीय नर्सरी की स्थापना के कार्यो का भूमिपूजन करेंगे।

एसडीओपी मनोज मिश्रा की सेवानिवृत्ति, सम्मान समारोह कर दी विदाई

गंजबासौदा , दोपहर मेट्रो

नौलखी मंदिर वाटर वर्क्स पर एसडीओपी मनोज कुमार मिश्रा की सेवानिवृत्ति पर उनके स्नेहीजनों एवं नागरिकों द्वारा समारोह पूर्वक विदाई दी गई। इस अवसर नौलखी खालसा के श्री महंत राम मनोहर दास महाराज ने कहा कि एसडीओपी के रूप में मनोज मिश्रा का कार्यकाल आदर्श रहा है वे धार्मिक सामाजिक कार्यक्रमों में अग्रणी भूमिका में रहते थे पुलिस की नौकरी में रहकर धर्म का पालन और शासकीय सेवा दोनों दायित्वों का इन्होंने उचित निर्वहन किया है।

एसडीएम विजय राय ने कहा कि मुझे श्री मिश्रा के अनुभवों का लाभ अनेक अवसरों पर मिला है क्षेत्र में होने वाले विभिन्न कार्यक्रमों एवं गतिविधियों में हम साथ बैठकर योजना बनाते थे मैं उनकी कमी हमेशा महसूस करूंगा।

कथा व्यास पंडित केशव प्रसाद शास्त्री ने कहा कि मनोज मिश्रा का कार्यकाल आदर्श रहा है वे मृदुभाषी, सेवाभावी, व्यवहार कुशल शैली से कार्य करते रहे हम सभी उनकी सेवानिवृत्ति पर उनको उज्जवल भविष्य की बधाई देते हैं।

कार्यक्रम का संचालन अभिषेक शर्मा गुरूजी ने किया एवं आभार नितिन सक्सेना ने जताया।

इस अवसर पर देहात थाना प्रभारी आशुतोष सिंह राजपूत, विहिप प्रांत समरसता प्रमुख सुनील यादव, मुरारी अग्रवाल, रवि उपाध्याय, भाजपा नेता मनोज यादव, यशवंत दुवे, पवन रिछारिया, हेमंत मिश्रा, पार्षद नीलू चंद्रशेखर चौबे, जगदीश तिवारी, केशव हाड़ा, हरिशंकर झा, सत्यम दुवे बावली, विकास महाराज, गजेन्द्र राजपूत, लालचंद कुशवाहा, रामकृष्ण राजपूत, सोनू अरोरा, रामराज झा, अंकित विश्वकर्मा, नरेश राजपूत, अतुल ठाकुर, सौरभ गुर्जर, पत्रकार अमित शुक्ला, अनुज दुवे, जगदीश शर्मा, संतोष महाराज, विवेक विश्वकर्मा, कपिल रघुवंशी, नितिन भाटे सहित अनेक गणमान्य नागरिक एवं उनके परिवार जन उपस्थित थे।

जिला विधिक सेवा प्राधिकरण में तंबाकू विरोधी दिवस के रूप में मनाया

नर्मदापुरम , दोपहर मेट्रो

न्यायाधीश/सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण श्री विजय कुमार पाठक सर के मार्गदर्शन में 31 मई को तंबाकू विरोधी दिवस के रूप में मनाया गया, एवं उपस्थित सभी लोगों को तंबाकू निषेध दिवस पर नशा निषेध की शपथ दिलायी विभिन्न सामाजिक संगठन के समाजसेवी नारी जागरण संघ की श्रीमती प्रेमलता तोमर, अरुण दीक्षित सामाजिक समरसता राष्ट्रीय एकता मंच के जिला अध्यक्ष, संरक्षक कृपाल सिंह राजपूत, कार्यकर्ता अध्यक्ष मोहम्मद अकरम खान, ओपी मालवीय, अशोक परसाई, अशोक दिवोलिया, मोहम्मद आदिल फाजली, असलम भारती, लखन यादव, हरिकिशोर वर्मा,जयबाला निगम जिला विधिक सेवा प्राधिकरण से सतीश तिवारी, पूजा अवस्थी सत्र के दौरान कानून के छात्र केशुजा सोलंकी, शिवनारायण कटारे, सौम्या दुबे, संकेत सेंगर,रिंकू वर्मा प्रणीता मंडल, मुस्कान कुशराम,पंकज चौधरी,आदर्श चुटिले,राशि अनुज उदयपुरिया, आनंद सिंह, जुगलकिशोर आदि प्रशिक्षु उपस्थित थे। कार्यक्रम संयोजक डॉ. मयंक तोमर द्वारा मंच संचालन किया गया.

जल संसाधन स्पोर्ट्स क्लब के संस्थापक सदस्य मोइनुद्दीन कुरैशी सम्मानित हुए

नर्मदापुरम. रीवा शहर में होने वाली 34वी अंतर क्षेत्रीय खेल प्रतियोगिता आयोजित करने के संबंध में रीवा में संपन्न हुई प्रांतीय कार्यकारिणी की बैठक में सम्मिलित होने गए नर्मदा पुरम के ऊर्जावान तथा युवा क्षेत्रीय अध्यक्ष बसरत खान ने अपनी क्षेत्रीय कार्यकारिणी के सदस्यों के साथ मोइनुद्दीन कुरैशी को पुष्प हार से सम्मान करते हुए स्मृति चिन्ह भेंट किया. श्री खान ने बताया मोइनुद्दीन कुरैशी हॉकी के राष्ट्रीय स्तर के खिलाड़ी रहे एवं मध्य प्रदेश सिविल सर्विसेज हॉकी टीम के मैनेजर के साथ हाल ही में मास्टर नेशनल स्पोर्ट्स की अखिल भारतीय टीम के मैनेजर के रूप में विदेश जाने के लिए नामांकित किया गया है वही रीवा में 34 वी अंतर क्षेत्रीय खेल प्रतियोगिता के सफल आयोजन के लिए नर्मदा पुरम क्षेत्र की ओर से पूर्ण सहयोग का आश्वासन दिया इस अवसर पर सम्मान करते समय क्षेत्रीय स्पोर्ट्स क्लब नर्मदा पुरम के क्षेत्रीय सचिव हेमंत अजनेरिया प्रांतीय कार्यालय सचिव आर. एल सूर्यवंशी सहित अनेक पदाधिकारी एवं साथी खिलाड़ी उपस्थित थे.

तहसील का फर्जीवाड़ा आया सामने

आखिर किस अफसर ने संशोधन पंजी में छेड़छाड़ कर पहुंचाया व्यक्ति विशेष को लाभ?

सिवनी मालवा , दोपहर मेट्रो

सिवनी मालवा शासकीय कार्यालय में इन दिनों भ्रष्टाचारी इतने चरम पर पहुंच चुकी है कि बगैर रिश्वत के कोई काम नहीं हो पा रहा है, रिश्वत दो और कुछ भी करवा लो आम बात सी हो गई है। येसा एक मामला सामने आया शिवपुर- तहसील मैं अधिकारी कर्मचारी और बाबू मिलकर क्या क्या खेल..खेल रहे है इसकी बानगी ग्राम लुचगांव का खसरा नम्बर 98/1 देखने पर पता चला

उक्त खसरा जब वर्ष 2024/25 का निकाला गया तो उसमें खसरा नंबर 98/1 कुल रकबा 7.6900 लगभग 18 एकड़ ध्रुव नारायण नाबालिग बली जगदीश और चंदा नाबालिग बली जगदीश के नाम 1/2 भाग दर्ज होता है। लेकिन वर्ष 2025/26 मैं उक्त खसरे का रकबा तो उतना ही रहता है लेकिन एक और नाम सूरज पिता जगदीश जोड़ दिया जाता है और 1/3 भाग तीनों को दे दिया जाता है

सच्चाई की पड़ताल कैसे आई सामने

1. न्यायालय नायब तहसीलदार के प्रकरण क्रमांक 0008/अ-27/2005-06 आदेश दिनाक 10/12/2006 के अनुसार भू-अभिलेख अधतत खसरे मैं लिखा हुआ था जब इसकी जाँच की गई तो पता चला की जब यह आदेश किया गया तब आरसीएमएस नहीं था और अपलोड केवल खाली कागज किया गया है

2. वही संशोधन पंजी निकलवाने पर पता चला की पंजी के साथ छेड़छाड़ कर वर्ष 2016 के पारिवारिक व्यवस्था पत्र मैं अलग से सूरज पिता जगदीश का नाम जोड़ा गया है लेकिन बड़ा सवाल यह है की जब उस समय नाम जोड़ा गया था तो दस वर्षों तक खसरे मैं नाम क्यो नहीं आया और अलग से नाम लिखने की जरूरत क्यो पड़ी

इससे यह साफ़ प्रतीत होता है की पटवारी आरआई तहसीलदार की मिलीभगत से किसी व्यक्ति विशेष को लाभ पहुँचाने की नियत से यह सब किया गया है। अब यह पूरा मामला एक बड़ी जांच का विषय बना हुआ है जो जिला अधिकारियों को इस और विशेष ध्यान देने की आवश्यकता है। अब देखना यह होगा कि इस और प्रशासन क्या कार्यवाही करता है।

मेट्रो एंकर अखिल भारतीय कायस्थ समाज मातृशक्ति ने चलाया स्वच्छता अभियान

मां नर्मदा हमारी जीवनदायनी इसमें गंदगी नहीं आटे की लोई डालें ताकि जीव जंतु को भोजन मिले

नर्मदापुरम , दोपहर मेट्रो

शहर में रविवार को चित्रगुप्त घाट पर अखिल भारतीय कायस्थ समाज मातृशक्ति द्वारा स्वच्छता अभियान चलाया गया। अभियान में मातृशक्ति एवं प्रखर समाजसेवी ज्योति वर्मा ने कहा कि मां नर्मदा को स्वच्छ रखना है। नर्मदा हमारी मां है। घाट पर सभी श्रद्धालु अमावस्या पूर्णिमा के अलावा प्रतिदिन स्नान करने आते हैं उनसे भी अपील करती हूं कि मां को स्वच्छ और सुंदर और साफ सुथरा रखना चाहिए । उन्होंने कहा कि नर्मदा में कास्टिक सोडा, गंदगी और फूल माला ना डालें । नर्मदा में जो जीव जंतु हैं उन्हें खाने के लिए आटे की लोई लाएं। मां हम सब की जीवनदायनी है। नर्मदा नदी के पावन तट पर हम मातृशक्ति द्वारा स्वच्छता अभियान लगातार चलाए जा रहा है। श्रीमती वर्मा ने कहा कि इस अभियान में हम अन्य सामाजिक और लोगों से भी अपील करते हैं कि स्वच्छता अभियान में बाढ़-चल का हिस्सा लें। मां नर्मदा को स्वच्छ और सुंदर बनाएं ताकि हमारा शहर सुंदर और नंबर वन पर रहे। इस मौके पर नगर पालिका उपाध्यक्ष अभय वर्मा, सी बी खरे, लालता प्रसाद, आदित्य, श्रीमती मंजू श्रीवास्तव, श्रीमती

ज्योति वर्मा, श्रीमती प्रीति खरे, श्रीमती रश्मि सक्सेना, जानकी, श्रीमती सुमन वर्मा , श्रीमती शीतल श्रीवास्तव , श्रीमती सारिका सक्सेना, विधि सक्सेना , राजेंद्र श्रीवास्तव, आर्य श्रीवास्तव, नेहा थापक , दीपक थापक सहित अनेक लोग मौजूद थे।

घाटों से ही हमारे शहर की पहचान- रश्मि सक्सेना

रविवार को स्वच्छता अभियान चलाते हुए अखिल भारतीय कायस्थ महासभा की पदाधिकारी रश्मि सक्सैना ने कहा कि समाज द्वारा स्वच्छता अभियान चलाया जा रहा है। इसमें सभी को हिस्सा लेना चाहिए। घाटों से ही हमारी पहचान है।

नर्मदा को स्वच्छ साफ रखना ही पूजा -सीबी खरे

नर्मदा को साफ साफ करना है पूजा है । समाज स्वच्छता अभियान लगातार चल रही है इसमें सभी को सहयोग करना चाहिए।यह बात समाजसेवी सीबी खरे ने कहीं। सफाई में लोगों को साफ सफाई में बढ़-चढ़कर हिस्सा लेना चाहिए। जब भी अमावस्या पूर्णिमा हो साफ सफाई रखें और कचरा डस्टबिन में डालें.

समाज यह कार्य कर रहा है सभी को आगे आना चाहिए - अभय वर्मा

इस मौके पर नगर पालिका उपाध्यक्ष और समाज के पदाधिकारी अभय वर्मा ने कहा कि समाज कार्य कर रहा है। हम सभी को आगे आना चाहिए । हमें साफ सफाई रखना चाहिए और इसमें गंदगी नहीं डालना चाहिए । मां नर्मदा सहित शहर को स्वच्छ रखना हमारा कर्तव्य है। सभी आगे आए और घाटों को स्वच्छ और साफ रखें।

जून में पांच दिन विवाह के शुभ मुहूर्त, फिर चार माह बाद ही बज पाएगी शहनाई, नवंबर और दिसंबर में विवाह के 17 मुहूर्त

तेंदूखेड़ा, दोपहर मेट्रो

जून माह की शुरुजात रविवार से हो चुकी है। इस माह केवल पांच दिन ही विवाह के शुभ मुहूर्त है। ये सभी शुरुआती दिनों में हैं। इसके बाद विवाह के लिए कोई मुहूर्त नहीं है। पं. गोपाल शास्त्री के अनुसार जून के बाद सीधे चार माह बाद नवंबर में ही विवाह के शुभ मुहूर्त मिलेंगे। पं. शास्त्री ने बताया कि पहला मुहूर्त दो जून सोमवार को है। दूसरा चार जून बुधवार को है। तीसरा मुहूर्त पांच जून गुरुवार को हैं। चौथा मुहूर्त सात जून शनिवार को है। पांचवा मुहूर्त आठ जून रविवार को हैं। बताया कि इसके चार माह बाद तक कोई विवाह मुहूर्त नहीं है। बीच में चातुर्मास का प्रारंभ हो जाएगा। इस वजह से कोई भी मांगलिक कार्य नहीं होंगे। चातुर्मास नौ जून से एक नवंबर तक रहेंगे। दो नवंबर से विवाह के शुभ मुहूर्त बनेंगे। ऐसे में जून के बाद शादी के लिए चार माह का इंतजार करना होगा। पं. शारत्री ने बताया कि नवंबर से विवाह के शुभ मुहूर्त शुरू होंगे, जो दिसंबर तक चलेंगे। इस दौरान 17 दिन विवाह का योग है। नवंबर माह में विवाह के 14 और दिसंबर माह में विवाह के तीन गुहूर्त मिले हैं। उनके अनुसार नवंबर माह के दो, तीन, छह, आठ, 12, 13, 16, 17, 18, 21, 22, 23, 25 और 30 तथा दिसंबर माह के चार, पांच और छह को विवाह के मुहूर्त बन रहे हैं।

गृह प्रवेश के लिए जून माह में दो शुभ मुहूर्त पं. शास्त्री ने बताया कि जून माह में गृह प्रवेश के लिए दो दिन शुभ मुहूर्त है। इसके बाद अक्टूबर माह तक इंतजार करना होगा। जो लोग जून माह में गृह प्रवेश कराना चाहते हैं वे चर जून बुधवार व छह जून शुक्रवार को गृह प्रयेश करा सकते हैं। इसके बाद गृह प्रवेश का शुभ मुहूर्त अक्टूबर माह में तीन, नवंबर में आठ व दिसबर माह में तीन मुहूर्त मिल रहे हैं।

नगर वासियों को विद्युत की परेशानियों से मिलेगी निजात

पुरानी व जर्जर केबल बदलने विद्युत कंपनी का कार्य तेजी पर

तेंदूखेड़ा, दोपहर मेट्रो

बिजली विभाग की पहल पर इन दिनों नगर के विभिन्न वार्डों में लगे करीब दो दशक पुराने जर्जर केबिल, विद्युत बॉक्सो, जहां पुराने हटाकर नये ट्रांसफार्मर लगना है को बदलने का काम चल रहा है। जिसके लिए विद्युत कंपनी के एवं ठेकेदार के लोग लगातार काम कर रहे ज्ञात हो कि दो दशक पुरानी केविल के कारण आए दिन विद्युत पोलो में लगी केविलो में कभी आग तो कभी खराबी आ रही थी जिसके कारण फाल्ट बन रही थे इन फाल्टों को ढूंढने में काफी समय बर्बाद होता था जब तक फाल्ट नहीं मिलता तब तक विद्युत अवरोध रहती थी साथ ही पोलो पर तारो का मकड़जाल फैला था इतना ही नहीं पोलों पर लगे बॉक्स संपूर्ण रूप से जल चुके थे जिसके कारण विद्युत को सुचारू रूप प्रदान करने में विद्युत कंपनी भी हैरान परेशान थी ऐसी स्थिति मै कर्मचारियों द्वारा एक जगह की विद्युत व्यवस्था सुधारी जाती तो तब तक दूसरी जगह की बिगड़ जाती थी साथ ही विद्युत कंपनी के आउटसोर्स कर्मचारी भी हैरान परेशान थे नगर में एक जगह विद्युत व्यवस्था को सुधारने के लिए संपूर्ण नगर की विद्युत व्यवस्था बंद करनी पड़ती थी इन्हीं परेशानियों को देखते हुए विद्युत कंपनी के कनिष्ठ अभियंता एम एफ अंसारी के द्वारा लगातार इस व्यवस्था को सुधारने की प्रयास किए गए साथ ही कई बार पत्राचार किया गया उनके सराहनी प्रयास के कारण नगर में लगे पुराने ट्रांसफार्मर , जर्जर केविल , पोलो में लगे संपूर्ण बॉक्सो को बदलने का काम शुरू हो चुका है शुरुआत में सबसे पहले गौशाला मार्ग के ट्रांसफार्मर की संपूर्ण केबिलों बॉक्सो को बदला जा रहा है इस संबंध में विद्युत कंपनी के कर्मचारी सुधीर पटेरिया मैं बताया कि संपूर्ण नगर की धीरे-धीरे विद्युत केबल एवं बॉक्सो को बदलकर एक नया रूप दिया जा रहा है 40 फीट ऊंचे लोहे की खंबे भी लगवाए जा रहे हैं इसके अलावा नगर में लगे ट्रांसफार्मरो से अलग-अलग नगर के वार्डों की लाइनों के कनेक्शन किया जा रहे

हैं ताकि जिस आगे जब जिस जगह की विद्युत व्यवस्था में गड़बड़ी होगी केवल विद्युत सप्लाई उसी जगह के कुछ स्थान की रुकी जाएगी बाकी पूरी नगर की विद्युत सप्लाई इससे सबसे बड़ा फायदा यह होगा कि एक व्यक्ति की अभी विद्युत व्यवस्था गड़बड़ा है तो केवल कुछ ही सीमित जगह की विद्युत व्यवस्था बंद कर कार्य किया जाएगा विद्युत कंपनी की योजना है कि विद्युत उपभोक्ता को किसी प्रकार की परेशानी ना हो इसके लिए विभाग जेई एम एफ अंसारी द्वारा पूर्व में किए गए प्रयास सफल हो गए हैं आगे उपभोक्ता विद्युत कंपनी की प्रयास के सहभागी बनेगे इनका कहना -- विद्युत कंपनी जेई अंसारी का कहना है कि नगर में लोहे के खंबे ,पुरानी विद्युत केबिल, विद्युत खाम पर लगे कनेक्शन बॉक्सो, ट्रांसफार्मरो को बदलकर एक नई व्यवस्था देने का कार्य विद्युत विभाग द्वारा किया जा रहा है पूर्व में आने वाली परेशानियों से उपभोक्ताओं को आगे निजात मिल जाएगी

दौनी ग्राम में सदस्यों ने चलाया सफाई अभियान

मंदिर परिसर में बिखरे पड़े कचरे को किया इकट्ठा

तेंदूखेड़ा, दोपहर मेट्रो

मध्यप्रदेश के दमोह जिले में स्वच्छता की मुहिम को आगे बढ़ने के लिये शहरीय इलाकों से लेकर ग्रामीण कस्बे तक के लोग बढ़ चढ़कर आगे आ रहे हैं। इसी कड़ी में बीते एक सप्ताह से तेंदूखेड़ा नगर का हैल्पिंग हैंड्स फाउंडेशन एंजियो के सदस्य निरन्तर पर्यावरण को बचाने के लिए निरंतर अभियान चलाया जा रहा है। जिसके तहत फाउंडेशन के सदस्यों ने दौनी ग्राम में सफाई अभियान चलाया और मंदिर परिसर के आस पास बिखरी पड़ी पॉलीथिन, कांच, प्लास्टिक, कूडाकचरा को इकट्ठा करके कूड़ेदान में डाला गया। साथ ही बावड़ी की सफाई भी की गई। इसके अलावा सदस्यो के द्वारा पौधो का रोपण भी किया गया। साथ ही लोगो से बताया गया कि पर्यावरण संरक्षण की चेतना अब केवल नारे तक सीमित नहीं रही आज की युवा पीढ़ी प्लास्टिक उन्मूलन, वृक्षारोपण, जल संरक्षण और प्रदूषण के खिलाफ जागरूकता अभियानों में सक्रिय भाग लेना हमारी जिम्मेदारी है। अब हमे ठान लेना है कि प्रकृति के दुश्मनों चाहे वे लापरवाह उद्योगपति हों या जिम्मेदारियों से मुंह मोड़ने वाले नागरिक हो उनके विरूद्ध अभियान छेडकर धरती को हरा-भरा और सुरक्षित बनाएंगे। इस दौरान कमलेश साहू अध्यक्ष हेल्पिंग हैंडस फाउंडेशन, पवन यादव सचिव हेल्पिंग हैंडस फाउंडेशन, अर्पित बड़कुल, दुर्गेश दुबे, लक्ष्मण सिंह लोधी, जितेन्द्र यादव, अरुण केवट, अभिषेक बड़कुल, प्रीतम केवट सूर्या सेवा समिति, अखलेश यादव, ब्रजेन्द्र यादव, सुरेंद्र यादव ग्राम विकास प्रस्फुटन समिति, अखलेश यादव, राजा यादव, दीपक यादव, नरेश यादव, श्रीराज यादव एवं अन्य ग्राम बासी

मलेरिया माह का शुभारंभ, रथ को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया

सिरोंज, दोपहर मेट्रो

विदिशा राष्ट्रीय वेक्टर जनित रोग नियंत्रण कार्यक्रम के अंतर्गत प्रत्येक वर्ष मलेरिया निरोधक माह जून के रूप में मनाया जाता है। जिसके अंतर्गत आज दिनांक आज रविवार एक जून को पुरानी जिला चिकित्सालय परिसर विदिशा में स्थित जिला मलेरिया कार्यालय से मलेरिया रथ का शुभारंभ किया गया। जिसका उद्देश्य मलेरिया रोग के फैलने के कारण, लक्षण एवं बचाव तथा उपचार के संबंध में जन जागरूकता लाकर मलेरिया से होने वाली गंभीर बीमारियों को रोकना है। मच्छर जनित रोगों के फैलने के कारण, लक्षण, ओर बचाव संबंधी स्वास्थ्य शिक्षा के बैनर पोस्टर से सुसज्जित एक मलेरिया निरोधक रथ को कलेक्टर श्री अंशुल गुप्ता के मार्गदर्शन एवं मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी के निर्देशन में जिला स्वास्थ्य अधिकारी प्रथम एवं द्वितीय, जिला टीकारण अधिकारी, जिला क्षय अधिकारी एवं डॉ. टीकाराम शर्मा जिला मलेरिया अधिकारी द्वारा मलेरिया रथ को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया गया। यह रथ सभी विकासखण्डों के शहरी एवं ग्रामीण क्षेत्रों में भ्रमण कर मच्छर जनित रोगो जैसे मलेरिया, डेगू, चिकुनगुनिया, जे.ई. से बचाव हेतु प्रचार-प्रसार करेगा। कार्यक्रम में स्वास्थ्य विभाग के समस्त कर्मचारी उपस्थित रहे।

भारतीय शक्ति चेतना पार्टी के स्थापना दिवस पर विशाल रैली व आमसभा 7 जून को

तेंदूखेड़ा। नगर तेंदूखेड़ा मे आगामी 7,जून को भारतीय शक्ति चेतना पार्टी का स्थापना दिवस मनाया जा रहा है इस आयोजन मेभारतीय शक्ति चेतना पार्टी की राष्ट्रीय अध्यक्ष बहिन संध्या शुक्लाएवं राष्ट्रीय महा सचिवआशीष शुक्ला जी का शुभ आगमन हो रहा है। यह कार्यक्रम आचार्य विधासागर दयोदय गो शाला प्रांगण तेंदूखेड़ा मे होने जा रहा है। भारत माता की सेवा के लिए पूर्णत: संकल्पित एवं समर्पित भारतीय शक्ति चेतना पार्टी जो धर्मसम्राट युग चेतना पुरूष परमहंस योगीराज श्री शक्तिपुत्र जी महाराज के दिशा निर्देशन में दिनांक-07 जून 2013 से समाज सेवा के लिए कार्य कर रही है।भारतीय शक्ति चेतना पार्टी का मूल लक्ष्य नशे-मांसहार, भय-भूख-भ्रष्टाचार जातिभेद, छुआछूत एवं साम्प्रदायिकता से मुक्त, भारतीय सनातन संस्कति की रक्षा करते हुए शिक्षित एवं समृद्धिशाली राष्ट्र का निर्माण करना है।वर्तमान समय में जहाँ प्रत्येक पार्टियां अधर्म, छल-कपट, झूठे-वादे, नशे-मांसहार आदि का सहारा लेकर सत्ता पाना चाहती है, ऐसे समय में भारतीय शक्ति चेतना पार्टी भारत की संवैधानिक गरिमा एवं लोकतांत्रिक मूल्यों के साथ आपके बीच उपस्थित है।पार्टी के पवित्र उद्देश्यों एवं राष्ट्र कल्याणकारी गतिविधियों के प्रमाण है, पार्टी के कार्यकर्ता जो नशे-मांसाहार से मुक्त चरित्रवान, चेतनावान व ईमानदारी का जीवन जीते हुये जन-जन की समस्याओं के समाधान हेतु संघर्षरत है। पार्टी ज्ञापन, रैली, आमसभा, जनचौपाल, जनसंपर्क जैसे विभिन्न कार्यक्रमों के माध्यम से जन-जन को अपनी विचारधारा से जोड़ रही है। अब तक लाखों लोग पार्टी की जनकल्याणकारी विचारधारा से जुड़कर राष्ट्रसेवा के इस अभियान में सहभागी बन रहे है। इसी क्रम मे आपके अपने नगर तेन्दूखेडा में, भारतीय शक्ति चेतना पार्टी की विचारधारा से अवगत कराने हेतु दिनांक 07 जून 2025 शनिवार दोपहर 03 बजे से विशाल रैली एवं आमसभा का आयोजन आचार्य विद्यासागर दयोदय गौशाला प्रांगण तेन्दूखेडा में किया जा रहा है।जिसमें आप सभी इष्ट मित्रों सहित सादर आमंत्रित है।

महामारी फिर से पसार रही पैर, प्रशासन अलर्ट मोड में

कोरोना की आहट को लेकर, स्वास्थ्य मंत्रालय ने जारी की एडवाइजरी ,अस्पताल प्रबंधन जुड़े तैयारी में

सिरोंज, दोपहर मेट्रो

कोरोना संक्रमण के मामले एक बार फिर देश और प्रदेश में आने लगे इसके बाद इस बीमारी से निपटने की तैयारी को लेकर भी स्वास्थ मंत्रालय के द्वारा एडवाइस जारी जारी की गई है। उसके बाद स्थानीय स्वास्थ्य प्रशासन भी इसको लेकर अलर्ट मोड पर दिखाई देने लगा है सबसे पहले अपने स्टाफ को सोशल डिस्टेंसिंग और मार्क्स लगाने के लिए भी बीएमओ के द्वारा निर्देश जारी कर दिए गए हैं उसका पालन सभी करें इस बात की चिंता भी करनी होगी अधिकांश स्टाफ इसको हल्के में ले रहा है । वहीं ऑक्सीजन प्लांट की टेस्टिंग भी कराई गई है आवश्यकता पड़ने पर इसका उपयोग कोरोना मरीजों की सहायता के लिए किया जा सकेगा अस्पताल में ही ऑक्सीजन प्लांट लगा हुआ है। दूसरी ओर कोरोना की जांच के लिए कुछ किटें भी आ गई है।बाकी अन्य किटों की डिमांड भी ऊपर भेज दी गई है। संक्रमण के उपचार के लिए दवाईयां के लिए भी मांग पत्र भेजा गया है उनका आना शेष । इसकी रोकथाम के लिए अस्पताल में दवाई नहीं है यदि कोई मरीज आता है तो उसका उपचार अस्पताल में नहीं हो पाएगा इसलिए पहले से इंतजाम इनके हो जाए तो अच्छी बात है। दूसरी वीएमओ के द्वारा भी जागरूकता के लिए आने वाले दिनों में गतिविधि करने की बात कही जा रही है। इसके अलावा इसके संबंध में अभी अस्पताल प्रबंधन के द्वारा कोई बैठक नहीं की गई है।इन दिनों मौसम में हो रहे बदलाव के बाद मरीज की संख्या में भी वृद्धि हो रही है यदि कोरोना का

कोई मरीज सामने आता है तो उसकी जांच की सुविधा तो हो गई है पर उपचार में लगने बाली दवाएं नहीं है उनको आने में कितना समय लगेगा या तो आने वाले दिनों में ही पता चलेगा इस बीमारी के मामले देशभर के प्रदेशों में तेजी से सामने आ रहे हैं उसको दृष्टिगत रखते हुए स्थानीय प्रशासन को भी सभी तैयारियां धरातल पर करनी होगी ऐसा होता तत्काल उसके रोकथाम हो जाएगी आज की तारीख में कोई मामला आता है तो उसको फैलने से रोका जा सके वैसे अस्पताल में सोशल डिस्टेंसिंग और मार्क्स लगाने की एडवाइजरी तो जारी कर दी गई है पर उसका पालन अधिकांश स्टाफ के द्वारा नहीं किया जा रहा है जो किसी दिन लापरवाही का कारण भी बन सकता है।

दावा ओ का होना जरूरी

कोरोना संक्रमण की बीमारी के चार उपचार मके जिंदाबाद उपयोग होना है उनका होना अस्पताल में अति आवश्यक है अभी वह दवाई नहीं होने से इस बीमारी से ग्रसित होकर कोई आता है तो उसका उपचार करने में कठिनाई होगी तथा बीमारी फैलने का खतरा ज्यादा बढ़ जाएगा इसलिए समय से पहले इन दावों को मंगाने के लिए अस्पताल प्रबंधन और जिला चिकित्सालय के जिम्मेदार अधिकारियों को तत्काल गंभीरता से इस बीमारी में लगने वाली दावों की पूर्ति करवाने के लिए ठोस कदम उठाने चाहिए।

मौसम में हो रहा है बदलाव अस्पतालों में मरीजों की संख्या बाड़ी

मई महीने में आमतौर पर गर्मियों के कारण लोगों की हालत खराब हो जाती थी इस बार मौसम में लगातार पर लाभ देखने को मिलोगे से लोग बीमारियों से पीड़ित हो रहे हैं।

सुबह से लेकर दोपहर तक - गर्मी और धूप का कहर देखने को मिलता है उमस से बेचैनी भी होती है।इसके बाद मौसम में बदलाव के बाद बारिश का दौर प्रारंभ हो जाता है कभी गर्मी तो कभी बरसात जैसा मौसम हो जाता है।इसके कारण बीमारियां भी तेजी पैर पसार रही उल्टी दस्त से लेकर सर्दी-जुकाम बुखार के मामले भी सामने आ रहे है । यहां सब तापमान में घटा बड़ी के चलते लग रहा है।इसी मौसम के कारण कई तरह की बीमारियां पनप रही है उनकी रोकथाम के लिए बड़ी संख्या मरीज भी सरकारी अस्पताल में इलाज करवाने पहुंचने लगे हैं उसके चलते ओपीडी में वृद्धि हो गई इसके अलावा निजी क्लीनिक अस्पतालों में भी मरीज देखे जा रहे हैं उसको देखते हुए को पूरी तरह सतर्क होगा प्रशासन अधिकारियों को हर कदम को उठाना होगा यदि एकदम से कोई मामल सामने आते हैं तो आगे ना बड़े इसके लिए अभी से सोशल डिस्टेंसिंग और मार्क्स को उपयोग में लाने के लिए कदम उठाने होंगे तभी कोरोना जैसी बीमारी को आगे बढ़ने से तत्काल रोका जा सकेगा अभी कोई मामला कोरोना का नहीं आया अच्छी बात है।

इनका कहना है

कोरोना को लेकर एडवाइजरी आ गई है हमने भी अपनी तैयारियां प्रारंभ कर दी स्टाफ को सोशल असिस्टेंट से लेकर मार्क्स लगाने की हिदायत दे रही है जांच की किटें भी आ गई दवाइयां की डिमांड भेज दी ऑक्सीजन प्लांट को भी टेस्ट कर लिया है।

-विकास सिंह बघेल
बीएमओ

जोकोविच लगातार 16वीं बार फ्रेंच ओपन के चौथे दौर में

वर्ल्ड नंबर-1 सिनर भी जीते, ज्वेरेव ने फ्लावियो को सीधे सेटों में हराया

पेरिस, एजेंसी

वर्ल्ड नंबर-1 जैनिक सिनर और 24 बार के ग्रैंड स्लैम चैंपियन नोवाक जोकोविच फ्रेंच ओपन के मेंस सिंगल्स चौथे राउंड में पहुंच गए हैं। वहीं, जर्मनी के टेनिस स्टार एलेक्जेंडर ज्वेरेव ने भी चौथे दौर में जगह बना ली है। जोकोविच ने शनिवार को खेले गए तीसरे दौर में ऑस्ट्रियाई खिलाड़ी फिलिप मिजोलिक को सीधे सेटों में 6-3, 6-4, 6-2 से हराया। सर्बिया के जोकोविच लगातार 16वीं बार फ्रेंच ओपन के चौथे दौर में पहुंचे हैं। अब, 38 साल के जोकोविच का लक्ष्य अपने 25वें ग्रैंड स्लैम खिताब को जीतकर इतिहास रचना है। उनका अगला मुकाबला ब्रिटिश खिलाड़ी कैमरन नॉरी से होगा।

सिनर की किसी ग्रैंड स्लैम में लगातार 17वीं जीत

सिनर ने तीसरे दौर में चेक खिलाड़ी जिरी लेहेका को 1 घंटे 45 मिनट में 6-0, 6-1, 6-2 से हराया। सिनर की यह किसी भी ग्रैंड स्लैम में लगातार 17वीं जीत है। यह टूर्नामेंट सिनर के लिए महत्वपूर्ण है, क्योंकि यह उनकी तीन महीने की डोपिंग प्रतिबंध के बाद दूसरी प्रतियोगिता है। इससे पहले, उन्होंने इटालियन ओपन के फाइनल में पहुंचकर वापसी की थी। जर्मनी के टेनिस स्टार एलेक्जेंडर ज्वेरेव ने चौथे दौर में प्रवेश कर लिया है। उन्होंने इटली के फ्लावियो कोबोली को सीधे सेटों में 6-2, 7-6, 6-1 से हराया।

पीएसजी ने पहली बार जीता चैंपियंस लीग का खिताब

इंटर मिलान को 5-0 से हराया, कोच लुइस एनरिक ने जीत बेटी को समर्पित की

म्यूनिख। पेरिस सेंट-जर्मेन पीएसजी ने डिजायर डोए के दो गोल की मदद से शनिवार को यहां खेले गए एकतरफा फाइनल में इंटर मिलान को 5-0 से करारी शिकस्त देकर पहली बार यूरोपीय क्लब फुटबॉल की सबसे बड़ी प्रतियोगिता चैंपियंस लीग का खिताब जीता। पीएसजी ने दर्शकों के अपार समर्थन के बीच बेहतरीन खेल का नजारा पेश किया और इंटर के समर्थकों को आखिरी सिटी बजने से पहले ही स्टेडियम छोड़ने के लिए मजबूर किया। पीएसजी की तरफ से डोए ने 20वें और 63वें मिनट में गोल किए। उनके अलावा अचरफ हकीमी 12वें, ख्विचा क्वारात्सखेलिया 73वें और स्थानापन्न सेनी मायुलु 86वें ने एक एक गोल करके पीएसजी की रिकॉर्ड जीत सुनिश्चित की। यह पिछले 70 वर्षों में चैंपियंस लीग के फाइनल में किसी भी टीम की सबसे बड़ी जीत है।

हमारे पास चैंपियंस लीग की ट्रॉफी है

पीएसजी के कोच लुई एनरिक ने कहा, ''अब हमारे पास चैंपियंस लीग की ट्रॉफी है। जब मैं पीएसजी से जुड़ा था तो मैंने पहले दिन ही कहा था कि हमारा लक्ष्य चैंपियंस लीग का खिताब जीतना है। यह एकमात्र ट्रॉफी थी जिसे हम अभी तक नहीं जीत पाए थे।'' उन्होंने कहा, %मेरी बेटी जाना हमेशा मेरे दिल में है, और वह इस जीत के हर पल में मेरे साथ थी। वह जीत और हार दोनों में मेरे साथ है। यह वह ट्रॉफी थी जो लियोनेल मेस्सी, नेमार या किलियन एमबाप्पे भी फ्रांस के इस क्लब को नहीं दिला पाए थे। इससे पहले पीएसजी 2020 में चैंपियंस लीग के फाइनल में पहुंचा था लेकिन तब वह बायर्न म्यूनिख से हार गया था, जिसके बाद नेमार लिस्बन के खाली स्टेडियम में रो पड़े थे।

आईपीएल-2025 की आखिरी जंग कल: इस बार मिलेगा नया चैंपियन

आरसीबी-पंजाब में खिताब की टक्कर, अय्यर पर रहेगी नजरें

अहमदाबाद, एजेंसी

कप्तान श्रेयस अय्यर की अगुआई में पंजाब किंग्स ने क्वालीफायर-2 में पांच बार की विजेता मुंबई इंडियंस को 5 विकेट से हराकर 11 साल बाद इंडियन प्रीमियर लीग के फाइनल में जगह बना ली है। पंजाब किंग्स ने आखिरी बार 2014 में आईपीएल फाइनल खेला था और उसे कोलकाता नाइट राइडर्स के हाथों हार का सामना करना पड़ा था। आईपीएल के इतिहास में (कुल 18 सीजन) यह सिर्फ दूसरा मौका है जब पंजाब की टीम प्लेऑफ और फाइनल में पहुंची है। अब खिताबी मुकाबले में 3 जून को अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी स्टेडियम में पंजाब किंग्स की भिड़ंत रजत पाटीदार की अगुआई वाली रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु से होगी।

इस बार इंडियन प्रीमियर लीग को एक नया चैंपियन मिलेगा, क्योंकि पंजाब किंग्स और आरसीबी दोनों को अपने पहले आईपीएल खिताब का इंतजार है। रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु यूं तो 10वीं बार आईपीएल प्लेऑफ में पहुंची, लेकिन उसे कभी खिताबी जीत नसीब नहीं हुई। यह चौथा मौका है जब आरसीबी की टीम आईपीएल का फाइनल खेलेगी। इससे पहले 2009, 2011 और 2016 में उसे फाइनल में क्रमशः डेक्कन चार्जर्स, चेन्नई सुपर किंग्स और सनराइजर्स हैदराबाद के हाथों हार का सामना करना पड़ा था। मॉडर्न डे क्रिकेट के दिग्गज विराट कोहली अपने आईपीएल करियर की शुरुआत से ही आरसीबी के साथ जुड़े हैं और उन्हें भी पहली ढ्ढक्क्रट्रॉफी का इंतजार है। आरसीबी ने 29 मई को खेले गए क्वालीफायर-1 मुकाबले में पंजाब किंग्स को 8 विकेट से हराकर फाइनल में जगह पक्की की थी।

5 साल में तीसरी IPL टीम को फाइनल में ले गए अय्यर

श्रेयस अय्यर ने मानों ठान लिया था कि वह अपनी टीम को एक दशक बाद आईपीएल के फाइनल में पहुंचाकर ही दम लेंगे। एक यादगार पारी, जिसे श्रेयस अय्यर और पंजाब किंग्स आने वाले सालों तक याद रखेंगे। एक कप्तान की शानदार पारी। श्रेयस ने 41 गेंदों में 5 चौकों और 8 छक्कों की मदद से नाबाद 87 रनों की पारी खेली। उन्होंने अश्वनी कुमार के 19वें ओवर में 4 छक्कों की मदद से 26 रन कूट डाले। इस ओवर में अश्वनी ने एक नो बॉल और एक वाइड बॉल भी की। इस तरह 1 ओवर शेष रहते ही अय्यर ने छक्के के साथ मैच को फिनिश किया और अपनी टीम को फाइनल में पहुंचा दिया। श्रेयस अय्यर ने सिर्फ पांच सालों में अपनी कप्तानी में तीन अलग-अलग फ्रैंचाइज को आईपीएल के ग्रैंड फाइनल तक पहुंचाया है। उन्होंने 2020 में दिल्ली कैपिटल्स को फाइनल तक पहुंचाया, 2024 में कोलकाता नाइट राइडर्स को अपने नेतृत्व में खिताबी जीत दिलाई और अब पंजाब किंग्स को उसके दूसरे आईपीएल फाइनल में ले गए हैं।

पंजाब-मुंबई के मैच में बन गए कई अनोखे रिकॉर्ड

अहमदाबाद में मुंबई इंडियंस की यह लगातार छठी हार है। यहां उसे एकमात्र जीत 2014 में राजस्थान रॉयल्स के खिलाफ मिली थी। आईपीएल के प्लेऑफ/नॉकआउट मुकाबलों में चेज होने वाला यह अब तक का सर्वोच्च स्कोर है। पंजाब किंग्स से पहले कोई भी टीम आईपीएल प्लेऑफ/नॉकआउट मैच में 203 रनों का टारगेट चेज नहीं कर पाई है। वहीं आईपीएल में मुंबई को पहली बार 200+ रन बनाने के बावजूद हार का सामना करना पड़ा। दूसरी ओर पंजाब किंग्स ने 8वीं बार 200 से अधिक रनों के लक्ष्य का सफलता पूर्व पीछा किया। आईपीएल में किसी टीम द्वारा यह सबसे अधिक है। आईपीएल 2025 में यह 9वां रहा, जब किसी टीम ने 200+ रनों का स्कोर चेज कर लिया।

बोपन्ना व पावलासेक की जोड़ी फ्रेंच ओपन से बाहर

पेरिस, एजेंसी

भारत के रोहन बोपन्ना और उनके जोड़ीदार एडम पाव लासेक दूसरी वरीयता प्राप्त हैरी हेलियोवारा और हेनरी पैटन की जोड़ी को कड़ी टक्कर देने के बावजूद रविवार को यहां हारकर फ्रेंच ओपन से बाहर हो गये। भारत और चेक गणराज्य के खिलाड़ी की गैर वरीयता प्राप्त जोड़ी को प्री-क्वार्टर फाइनल मुकाबले में फिनलैंड और ब्रिटेन के खिलाड़ी की जोड़ी ने 6-2, 7-6 से शिकस्त दी।

हेलियोवारा और पैटन की जोड़ी शुरुआती सेट में दो बार सर्विस ब्रेक करते हुए 5-1 की बढ़त बनाने में सफल रही। बोपन्ना और पावलासेक इसके बाद अपनी सर्विस को भुनाने में सफल रहे लेकिन प्रतिद्वंद्वी खिलाड़ी की सर्विस को ब्रेक करने में नाकाम रहे। बोपन्ना ने दूसरे सेट में शानदार शुरुआत कर अपनी सर्विस पर एक भी अंक गंवाए बिना पहले गेम को अपने नाम किया।

बोपन्ना और पावलासेक की जोड़ी के पास दूसरे सेट में उस समय बढ़त को बड़ा करने का मौका था जब वे 3-2 से आगे थे। पैटन ने छठा गेम को डबल फॉल्ट से शुरू किया फिर एक और अंक गंवाकर 0-30 से पिछड़ गए लेकिन ब्रिटेन के इस खिलाड़ी ने लगातार चार अंक लेकर खतरे को टाल दिया। मैच के दूसरे सेट में कोई भी सर्विस ब्रेक नहीं हुआ जिससे मुकाबला टाई ब्रेकर में खिच गया। हेलियोवारा की शानदार सर्विस रिटर्न ने दूसरी वरीयता प्राप्त जोड़ी को जीत दिला दी। युकी भांबरी को भी अपने अमेरिका के साथी रॉबर्ट गैलोवे के साथ अपना तीसरे दौर का मैच खेलना है। उनका मुकाबला नौवीं वरीयता प्राप्त अमेरिका के क्रि?यिन हैरिसन और इवान किंग से होगा। जूनियर चैंपियनशिप में भारत के मानस धामने को निराशा मिली। वह अमेरिका के क्वालीफायर रोनित कार्की से 5-7 3-6 से हारकर बाहर हो गए। सत्रह साल के धामने ने भी क्वालीफायर के तौर पर मुख्य ड्रॉ में प्रवेश किया था। वह मुख्य ड्रॉ में अपनी क्षमता के अनुसार नहीं खेल सके।

मनोरंजन **बॉलीवुड का कोना** **जन्म दिन आज**

सलमान-अक्षय जैसे कलाकारों के साथ किया काम, फिल्मों से ज्यादा इसलिए चर्चा में रहीं सोनाक्षी

अभिनेत्री सोनाक्षी सिन्हा का फिल्मों के लिहाज से करियर काफी अच्छा रहा है। उन्होंने सलमान खान, अक्षय कुमार और अजय देवगन जैसे बड़े कलाकारों के साथ काम किया है। उनकी ज्यादातर फिल्में कामयाब रही हैं। अपनी शादी को लेकर सोनाक्षी काफी चर्चा में रही हैं। आइए उनके जन्मदिन पर जानते हैं उनकी जिंदगी के बारे में कुछ खास बातें।

बॉलीवुड की दबंग गर्ल कही जाने वाली एक्ट्रेस सोनाक्षी सिन्हा आज अपना जन्मदिन मना रही हैं। सोनाक्षी सिन्हा का जन्म 2 जून 1887 को बिहार की राजधानी पटना में हुआ। वह दिग्गज अभिनेता शत्रुघ्न सिन्हा और अभिनेत्री पूनम सिन्हा की बेटी हैं। उनके पिता अभिनेता होने के साथ नेता भी हैं। सोनाक्षी ने फैशन डिजाइनिंग की पढ़ाई की। शुरूआत में सोनाक्षी ने कॉस्ट्यूम डिजाइनर के तौर पर काम किया। उन्होंने साल 2005 में आई फिल्म मेरा दिल लेके देखो% में कॉस्ट्यूम डिजाइन किया था। इसके बाद उन्होंने फिल्मों का रुख किया।

कामयाब रही पहली फिल्म

कॉस्ट्यूम डिजाइनिंग का काम करने के बाद सोनाक्षी सिन्हा ने बॉलीवुड की तरफ रुख किया। सोनाक्षी सिन्हा ने बॉलीवुड में अपने करियर की शुरूआत सलमान खान की फिल्म दबंग (2010) से की। उनकी पहली फिल्म कामयाब रही। उन्हें सर्वश्रेष्ठ महिला डेब्यू के लिए फिल्मफेयर अवॉर्ड दिया गया। यही नहीं उनकी फिल्म ने खूब कमाई भी की। फिल्म का बजट 41 करोड़ रुपये था। फिल्म ने बॉक्स ऑफिस पर 221.14 करोड़ की कमाई की।

आमिर खान ने गर्लफ्रेंड गौरी के बारे में की बात, कहा- सोचता था बूढ़ा हो गया हूं कौन मिलेगी?

मिस्टर परफेक्शनिस्ट के नाम से मशहूर बॉलीवुड अभिनेता अपनी अपकमिंग फिल्म %सितारे जमीन पर% को लेकर चर्चा में हैं। उनकी यह फिल्म 20 जून को सिनेमाघरों में रिलीज होने वाली है। आमिर अकसर अपनी जबरदस्त एक्टिंग के चलते सुर्खियों में रहते हैं। यही नहीं वह अपनी पर्सनल लाइफ को लेकर भी चर्चा में बने रहते हैं। हाल ही में उन्होंने अपनी नई गर्लफ्रेंड गौरी स्प्रैट के बारे में खुलकर बात की है। आइए जानते हैं उन्होंने अपनी गर्लफ्रेंड के बारे में क्या कहा है?

60 साल की उम्र में आमिर को हुआ प्यार- इसी साल 60 साल के हो चुके आमिर खान ने अपनी जिंदगी में दो बार शादी की है। वह अपनी दोनों पत्नियों से अलग हैं। अब उन्हें एक नई लड़की गौरी स्प्रैट से प्यार हुआ है। इसी साल अपने जन्मदिन पर आमिर खान ने गौरी स्पैट के साथ अपने रिश्ते के बारे में सबको बताया था। अब एक बार फिर आमिर खान ने एक इंटरव्यू में अपनी गर्लफ्रेंड के बारे में बात की है।

गौरी से गलती से मिले आमिर खान- राज शमानी के साथ बातचीत में आमिर खान ने बताया %गौरी स्प्रैट से मिलने से पहले मुझे लगता था कि मैं बूढ़ा हो गया हूं। मुझे इस उम्र में कौन मिलेगी? थेरेपी ने वास्तव में मुझे ये समझने में मदद की कि मुझे पहले खुद से प्यार करने की जरूरत है। मुझे ठीक होना था और अपनी सेहत पर काम करना था। गौरी और मैं गलती से मिले। हम जुड़े और दोस्त बन गए और प्यार हो गया।%

पूर्व पत्नियों के साथ आमिर के कैसे हैं रिश्ते?

आमिर खान ने अपनी पूर्व पत्नियों के बारे में कहा रीना दत्ता और किरण राव के साथ मेरे बहुत मजबूत और गहरे रिश्ते रहे हैं। हम अब भी करीब हैं। हम एक-दूसरे का सम्मान करते हैं और हमेशा करते रहेंगे। हम पति-पत्नी नहीं रह सकते लेकिन हमेशा एक परिवार रहेंगे। हम बैठते हैं और बातें करते हैं। हमारे बीच सच्चा प्यार और गर्मजोशी है। ये खत्म होने वाला नहीं है।

मेट्रो बाजार

मिनिमम बैलेंस जरूरी नहीं केनरा बैंक ने दिया ग्राहकों को तोहफा

नई दिल्ली। बैंक अकाउंट में अगर मिनिमम बैलेंस न हो तो बैंक उसके बदले में एक निश्चित रकम काट लेते हैं। ऐसे में बैंक के ग्राहकों को उस समय बहुत परेशानी होती है जब इमरजेंसी में उन्हें अकाउंट में जमा मिनिमम रकम का भी इस्तेमाल करना पड़ जाता है। लेकिन एक सरकारी बैंक ने अब इससे अपने ग्राहकों को आजादी दी है। यह बैंक कोई और नहीं बल्कि केनरा बैंक है। केनरा बैंक के ग्राहकों को अब अपने सेविंग्स अकाउंट में मिनिमम बैलेंस रखने की कोई जरूरत नहीं होगी। 1 जून से यह नियम लागू हो गया है। केनरा बैंक के रेगुलर, सैलरी और

ठफक खातों सहित सभी तरह के अकाउंट पर एवरेज मंथली बैलेंस मेंटेन न करने पर कोई जुमार्ना नहीं लगेगा।

एक्स पर दी जानकारी- केनरा बैंक ने इसके बारे में जानकारी सोशल मीडिया अकाउंट एक्स पर दी है। इसमें बैंक ने लिखा है कि 1 जून 2025 से केनरा बैंक मिनिमम बैलेंस मेंटेन न करने पर कोई जुमार्ना नहीं लगाएगा। यह सभी बचत खाताधारकों के लिए है! केनरा बैंक पहला बड़ा सरकारी बैंक बन गया है जो सभी बचत खातों पर जीरो-बैलेंस की सुविधा दे रहा है।

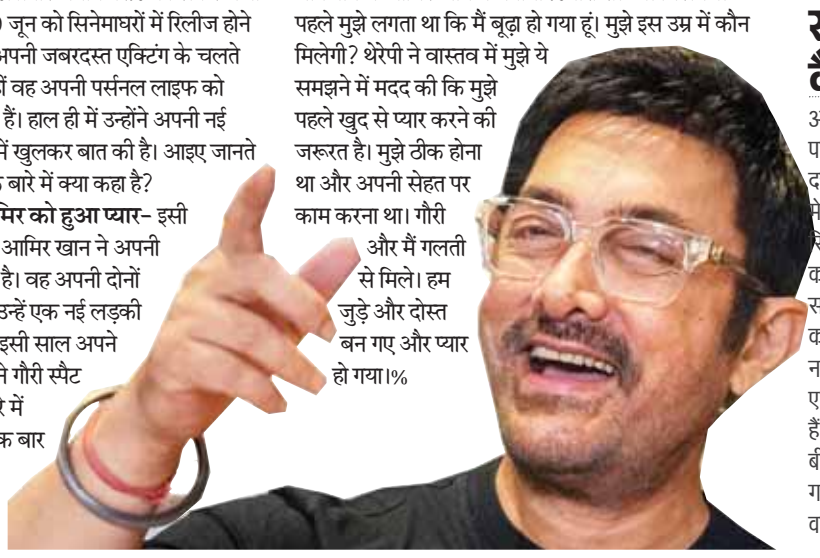

कितना देना होता था चार्ज- इससे पहले ग्राहकों को शहरी शाखाओं में 2000 रुपये, सेमी-अर्बन शाखाओं में 1000 रुपये और ग्रामीण शाखाओं में 500 रुपये मिनिमम बैलेंस रखना होता था। ऐसा न करने पर जुमार्ना लगता था। अब नई पॉलिसी के तहत ग्राहकों को मिनिमम बैलेंस रखने की जरूरत नहीं है।

एफपीआई ने मई में भारतीय शेयर बाजार में 19,860 करोड़ रुपये डाले

नई दिल्ली। विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों एफपीआई का भारतीय शेयर बाजार पर भरोसा कायम है। अनुकूल आर्थिक संकेतकों तथा मजबूत घरेलू बुनियाद के चलते एफपीआई ने मई में भारतीय शेयरों में 19,860 करोड़ रुपये का निवेश किया है। डिपॉजिटरी के आंकड़ों के अनुसार, अप्रैल में एफपीआई ने शेयरों में 4,223 करोड़ रुपये का शुद्ध निवेश किया था।

वहीं इससे पहले मार्च में विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों ने शेयरों से 3,973 करोड़ रुपये, फरवरी में 34,574 करोड़ रुपये और जनवरी में 78,027 करोड़ रुपये निकाले थे। जियोजीत इन्वेस्टमेंट के मुख्य निवेश रणनीतिकार वी के विजयकुमार ने कहा, आगे चलकर एफपीआई भारत में अपना निवेश जारी रखेंगे। हालांकि, उच्चस्तर पर वे बिकवाली कर सकते हैं।' डिपॉजिटरी के आंकड़ों के अनुसार, एफपीआई ने मई में शेयरों में 19,860 करोड़ रुपये का शुद्ध निवेश किया है। इस ताजा प्रवाह के बाद 2025 में शेयरों से एफपीआई की निकासी का आंकड़ा घटकर 92,491 करोड़ रुपये रह गया है।

अप्रैल में भारतीय शेयर बाजार में एफपीआई की गतिविधियों में तेजी देखी गई। अप्रैल के मध्य में शुरू हुई लिवाली का सिलसिला मई में भी जारी रहा, जो निवेशकों के नए भरोसे को दर्शाता है। मॉर्निंगस्टार इन्वेस्टमेंट के एसोसिएट निदेशक - प्रबंधक शोध हिमांशु श्रीवास्तव ने कहा कि मई में एफपीआई प्रवाह के कई कारक रहे हैं।

बाइक सवार को कुचलने वाले वाहन का नहीं लगा सुराग

भोपाल। सूखी सेवनिया इलाके में बाइक सवार युवक को कुचलने वाले वाहन की अभी तक पहचान नहीं हो पाई है। पुलिस ने इस मामले में अज्ञात वाहन चालक के खिलाफ केस दर्ज कर लिया है। जानकारी के अनुसार सचिन करण पुत्र भगवान सिंह करन (23) ग्राम शाहपुर थाना परवलिया में रहता था। बीती 23 मई की सुबह वह बाइक से विदिशा जाने के लिए घर से निकला था। सूखी सेवनिया थाना अंतर्गत भदभदा के आगे अज्ञात वाहन ने उसकी बाइक को टक्कर मार दी, जिससे सचिन गंभीर रूप से घायल हो गया। उसे इलाज के लिए हमीदिया अस्पताल में भर्ती कराया गया था, जहां 28 मई को उसने दम तोड़ दिया था। मर्ग जांच के बाद पुलिस ने अज्ञात वाहन चालक के खिलाफ केस दर्ज किया है। इलाके में लगे सीसीटीवी कैमरों की मदद से टक्कर मारने वाले वाहन और चालक की तलाश की जा रही है।

बाइक की टक्कर से दंपति गंभीर रूप से घायल

भोपाल। सूखी सेवनिया इलाके में बाइक की टक्कर से पल्सर सवार दंपति गंभीर रूप से घायल हो गए। पुलिस ने आरोपी वाहन चालक के खिलाफ केस दर्ज कर लिया है। पुलिस के मुताबिक आकाश बनकर (20) सूरज नगर भदभदा रोड पर रहता है और ड्राइवरी का काम करता है। रविवार दोपहर करीब साढ़े ग्यारह बजे वह अपनी पत्नी मुस्कान के साथ पल्सर बाइक पर सवार होकर भोपाल से बीना जिला सागर जा रहा था। सूखी सेवनिया थानांतर्गत ग्राम कल्याणपुर स्थित भारत पेट्रोल पंप के सामने पहुंचा, तभी कट पाइंट की तरफ से आए एक तेज रफ्तार बाइक के चालक ने आकाश की पल्सर को टक्कर मार दी। इस हादसे में आकाश और मुस्कान दोनों सड़क पर गिरकर घायल हो गए। दंपति के शरीर में गंभीर चोट आई है।

ऑटो पलटने से हुई थी बुजुर्ग व्यक्ति की मौत, मामला दर्ज

भोपाल। गौतम नगर इलाके में ऑटो पलटने से घायल हुए एक बुजुर्ग व्यक्ति की मौत हो गई थी। पुलिस ने इस मामले में मर्ग जांच के बाद ऑटो चालक के खिलाफ केस दर्ज कर लिया है। जानकारी के अनुसार कामता प्रसाद (62) मूलत- रीवा के रहने वाले था। उनका बेटा शिवराज शारदा नगर नारियलखेड़ा में रहता है। बीती उन्नीस मई की सुबह करीब पांच बजे कामता प्रसाद आटो में सवार होकर जा रहे थे, तभी जेपी नगर स्थित बिजली ऑफिस के सामने तेज रफ्तार ऑटो पलट गया था। इस हादसे में कामता प्रसाद को गंभीर चोट आई थी। स्थानीय लोगों ने उन्हें इलाज के लिए हमीदिया अस्पताल पहुंचाया, जहां उनकी मौत हो गई थी। मर्ग जांच के बाद पुलिस ने ऑटो चालक के खिलाफ केस दर्ज कर लिया है।

स्कूटर सवार मां-बेटी को बाइक चालक ने मारी टक्कर

भोपाल। अयोध्या नगर स्थित डी मार्ट के सामने एक तेज रफ्तार बाइक चालक ने स्कूटर सवार मां-बेटी को टक्कर मारकर घायल कर दिया। जानकारी के अनुसार अंकिता वर्मा (23) नयापुरा गांधी नगर में रहती हैं और आईटी कंपनी में काम करती हैं। रविवार दोपहर वह अपनी मां के साथ अयोध्या नगर स्थित डी मार्ट खरीददारी करने पहुंची थी। शापिंग करने के बाद अंकिता अपनी मां को स्कूटर पर बिठाकर घर जाने के लिए रवाना हुई। सड़क क्रॉस करते समय भानपुर की तरफ से आ रहे एक तेज रफ्तार बाइक चालक ने पीछे से उनकी स्कूटर में टक्कर मार दी, जिससे मां-बेटी सड़क पर गिरकर घायल हो गई। हादसे के दौरान बाइक चालक भी गिर गया था। स्थानीय लोगों ने घायलों को इलाज के लिए पास के निजी अस्पताल पहुंचाया। अस्पताल से मिली सूचना के बाद मौके पर पहुंची पुलिस ने टक्कर मारने वाले बाइक चालक के खिलाफ केस दर्ज कर लिया है।

युवक ने फांसी लगाकर की आत्महत्या, नहीं मिला सुसाइड नोट

भोपाल। नजीराबाद स्थित गांव रुनाहा में बीती रात एक युवक ने फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। उसके पास से सुसाइड नोट नहीं मिला है। परिजन ने बताया कि वह ब्यावरा में रहकर प्राइवेट ड्राइवर का काम करता था। पुलिस ने मर्ग कायम कर शव पीएम के बाद परिजन को सौंप दिया है। पुलिस के अनुसार कमल अहिरवार (21) गांव रुनाहा नजीराबाद का था और ब्यावरा में रहकर ड्राइवरी करता था। उसके परिवार में माता पिता के अलावा अन्य 7 भाई है। परिजन ने बताया कि कमल ब्यावरा से शनिवार को ही रुनाहा आया था। रात में खाना खाने के बाद सभी लोग सो गए। देर रात करीब डेढ़ बजे नींद खुली तो कमल फांसी के फंदे पर लटका मिला। उसे फंदे से उतारकर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र बैरसिया ले जाया गया, वहां डॉक्टर ने चेक करने के बाद कमल को मृत घोषित कर दिया। पुलिस का कहना है कि कमल के पास से सुसाइड नोट नहीं मिला है।

गौतम नगर पुलिस ने किया लूट की फर्जी कहानी का खुलासा

ऑनलाइन सट्टे में हारा कलेक्शन का पैसा तो रच दी लूट की कहानी

कलेक्शन एजेंट और उसके तीन अन्य साथी गिरफ्तार

भोपाल, दोपहर मेट्रो

गौतम नगर थाना क्षेत्र स्थित करोंद मंडी के पास 28 मई को कलेक्शन एजेंट पर धारदार हथियार से हमला कर नोटों भरा बैग व मोबाइल लूट की कहानी झूठी निकली। फरियादी ने ही कलेक्शन का पैसा ऑनलाइन गेम व ऑनलाइन सट्टे में हार जाने के कारण फर्जी लूट की योजना बनाई थी। पुलिस ने लूट का पदार्फाश करते हुए फरियादी समेत चार आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है।

पुलिस के अनुसार इब्राहिमगंज थाना हनुमानगंज निवासी आदित्य आर्य (23) टाटा कंज्यूमर में कलेक्शन एजेंट है। उसने पुलिस को गत शिकायत करते हुए बताया था कि गत 28 मई को वह ईदगाह हिल्स स्थित गुरुनानक देव किराना स्टोर से कलेक्शन के पैसे लेकर एक्टिवा गाड़ी से अपने ऑफिस भानपुर की ओर जा रहा था। जेपी नगर तिराहा से करोंद मंडी वाले रोड पर डिओ गाड़ी पर सवार दो नकाबपोश पीछे से आए। उनमें से एक बदमाश ने हाथ से आईफोन और नगदी से भरा बैग झपट लिया। इस दौरान पीठ पर चाकू से हमला भी किया था। बैग में चार दिन का कलेक्शन करीब 70 हजार रुपए रखे थे। पुलिस ने इस मामले में लूट का प्रकरण दर्ज कर आरोपियों की तलाश शुरू कर दी।

कलेक्शन एजेंट ने वाट्सएप कॉल कर बताई लोकेशन

आदित्य आर्य ऑनलाइन गेम व ऑनलाइन सट्टे में कलेक्शन की काफी रकम हार गया था। घटना से करीब 10 दिन पूर्व उसने अपने दोस्त दीपांश योगी निवासी कटारा हिल्स को कलेक्शन का पैसा हार जाने की बात बताई। दीपांश नगर निगम कर्मचारी है। दीपांश ने आदित्य के साथ मिलकर फर्जी लूट की योजना बनाई। उसने अपने दोस्त आसिफ को आदित्य से मिलाया। आसिफ व आदित्य ने अपने मोबाइल नंबर एक-दूसरे को दिए। आसिफ को आदित्य के कहे अनुसार काम करने के लिए कहा गया। काम के बदले उसे पैसा देने का वादा किया गया। विगत 28 मई को घर से निकलने के बाद आदित्य ने आसिफ को व्हाट्सएप कॉल कर अपनी बताई जगह पर बुलाकर पीछा करने और खुद की बताई जगह पर कंपनी के कर्मचारी की मौजूदगी में लूट की वारदात को अंजाम देने के लिए कहा गया। इस प्रकार आसिफ ने अपने दोस्त अमन खान की डिओ मोपेड को लेकर प्रदीप यादव के साथ फर्जी लूट का अंजाम दिया। घटना के समय आदित्य का साथी कर्मचारी अनिल जाट दूसरी मोटरसाइकिल पर साथ चल रहा था। आरोपियों ने डिओ गाड़ी के नंबर के दो अंक छिपा लिए थे।

100 से अधिक कैमरे देखने के बाद आरोपी गिरफ्तार

पुलिस ने जेपी नगर तिराहा, डीआईजी बंगला चौराहा, पीजीबीटी रोड, मिलिट्री पुलिया टीला, समेत 100 से अधिक स्थानों पर लगे सीसीटीवी कैमरों के फुटेज देखकर रुटमेप तैयार बनाया। विगत 31 मई को मुखबिर की सूचना पर आसिफ अली (19) निवासी चिकलोद रोड जहांगीराबाद, प्रदीप यादव (24) निवासी पातरा पुल जहांगीराबाद, अमन खान (21) निवासी बाबा फरीद गली जहांगीराबाद को हिरासत में लेकर पूछताछ की गई। पूछताछ में आरोपी आसिफ और प्रदीप यादव ने फरियादी आदित्य आर्य के कहने पर लूट की वारदात को अंजाम देना कुबूल किया। आरोपी अमन खान ने अपनी डियो गाड़ी वारदात के लिए उपलब्ध कराई थी।

रेडियम कटर से कराया खुद पर हमला

पुलिस ने बताया कि फर्जी लूट की कहानी बनाने वाले आदित्य आर्य ने 29 मई को 11 नंबर मल्टी के पास आसिफ को बुलाकर साड़े तीन हजार रुपए दिए। आदित्य ने अपनी बहन के मोबाइल से आसिफ को कॉल कर बुलाया था। आसिफ ने आदित्य को लूटा बैग लौटा दिया। आरोपियों ने रेडियम कटर से आदित्य की पीठ पर हल्का वार किया था। योजनाबद्ध तरीके से कर्मचारी अनिल जाट की मौजूदगी में वारदात को इसलिए अंजाम दिया गया, ताकि वह वारदात की पुष्टि कर सके और आदित्य को पैसा कंपनी में जमा न कराना पड़े। फरियादी के कहे अनुसार आरोपी आसिफ ने लूटा मोबाइल फोन बेचने के लिए अमन खान को दे दिया था।

चचेरे भाई की शादी से लौट कर युवक ने लगाई फांसी

भोपाल, दोपहर मेट्रो

सूखी सेवनिया थाना क्षेत्र स्थित ग्राम इमलिया में शनिवार-रविवार की दरमियानी रात युवक ने खेत पर लगे जामुन के पेड़ पर फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। रविवार सुबह पिता ने बेटे की लाश फांसी के फंदे पर लटके देखी थी। सूचना पर पहुंची पुलिस ने लाश बरामद कर पीएम के बाद परिजन को सौंप दी है। परिजन ने बताया कि शनिवार रात बेटा अपने चचेरे भाई की शादी से लौटा था। सुसाइड नोट नहीं मिलने से आत्महत्या के कारण का पता नहीं चल सका है।

पुलिस ने बताया कि गांव इमलिया निवासी जगदीश लोधी किसान हैं। उनका 26 साल का बेटा अरुण लोधी पिता के साथ खेत में हाथ बटाता था। शनिवार रात अरुण के चचेरे भाई की गांव में शादी थी। अरुण अपने पिता व अन्य परिजन के साथ शादी में शामिल होने गया। कार्यक्रम के बाद अरुण घर लौट आया था। पुलिस ने बताया कि रविवार सुबह पिता खेत पर पहुंचे तो उन्होंने जामुन के पेड़ पर अरुण की लाश फंदे पर लटकी देखी। अरुण को फंदे से नीचे उतारा गया लेकिन उसकी मौत हो चुकी थी। मौके पर पहुंची पुलिस ने पंचनामा बनाकर शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया था। पिता ने पुलिस को बताया कि बेटा शादी में था और किसी भी तरह परेशान नजर नहीं आया। शादी में उसने पिता के साथ खाना भी खाया था।

शराब पीने की लत से छोड़कर चली गई थी पत्नी : शुरुआती जांच में पता चला कि करीब तीन महीने पहले अरुण ने लव मैरिज की थी। अरुण शराब पीने का आदी था। उसकी शराब पीने की लत के कारण करीब एक महीने पहले पत्नी उसे छोड़कर मायके चली गई थी। शराब के नशे में अरुण पत्नी से विवाद और मारपीट करता था। अरुण और उसके पिता समेत अन्य परिजन ने बहू ने बहू का घर लौटने के लिए कहा था, लेकिन उसने ससुराल लौटने से मना कर दिया था। एक अनुमान यह भी है कि पत्नी के ससुराल नहीं लौटने से दुखी होकर अरुण ने यह कदम उठाया है।

पिता की नींद खुली तो सुबह जामुन के पेड़ पर लटकी थी बेटे की लाश

मामा के सामने नदी में नहाने उतरा युवक डूबा, मौत

भोपाल। बरखेड़ी खुर्द में नदी में नहाने उतरा युवक गहरे पानी में डूब गया। पिता ने उसकी लाश पानी से बाहर निकालकर पुलिस को सूचना दी थी। सूचना पर पहुंची पुलिस ने मर्ग कायम कर शव पीएम के बाद परिजन को सौंप दिया है। पुलिस मामले की जांच कर रही है। पुलिस के अनुसार दीपक सपेरा पिता विनय सपेरा (20) गांव कुराना, नजीराबाद में रहता था और मेहनत मजदूरी करता था। उसके पिता ने बताया कि वह परिवार के साथ बरखेड़ी खुर्द गांव में मूंग की फसल काटने के लिए आए थे। उनके साथ दीपक भी था। गांव के खेत में परिवार फसल काट रहा था। इसी बीच दीपक अपने मामा के साथ कुछ दूरी पर नदी में नहाने का कहकर चला गया। उसे मना भी किया था, लेकिन वह नहीं माना उसने कहा कि किनारे पर बैठकर नहा लूंगा। कुछ देर बाद उसके मामा ने दीपक के पिता को कॉल कर बताया कि दीपक पानी में डूब गया है। उसके पिता बाइक से नदी पहुंचे और विनय को बाहर निकाला गया। उसके पैर कीचड़ में फंसे थे। विनय ने किसी तरह उसे पानी से बाहर निकाला और पुलिस को सूचना दी। सूचना पर पहुंची पुलिस ने दीपक का शव बरामद कर पीएम के बाद परिजन को सौंप दिया है। पुलिस ने बताया कि घटना के समय दीपक के मामा नदी के पास ही मौजूद थे, लेकिन उन्हें तैरना नहीं आता था। वे केवल शोर ही मचाते रहे। वहां आसपास कोई भी मदद करने के लिए मौजूद नहीं था।

अधिक शराब पीने से दो मौत, शाहपुरा और रत्नागिरी कलारी के पास मिली लाश

भोपाल, दोपहर मेट्रो

पिपलानी और शाहपुरा में दो लोगों की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई। दोनों के शव क्रमशः रत्नागिरी तिराहा कलारी और शाहपुरा कलारी से बरामद किए गए। अनुमान है कि अधिक शराब पीने से दोनों की मौत हुई है। पुलिस ने मर्ग कायम कर शव पीएम के बाद परिजन को सौंप दिए है। पुलिस पीएम रिपोर्ट का इंतजार कर रही है।

पिपलानी पुलिस ने बताया कि 60 साल के विक्रम सौराष्ट्र:, अर्जुन नगर झुग्गी में अकेले रहते थे और शराब पीने के आदी थे। शनिवार दोपहर उन्हें कुछ लोगों ने देखा था उस दौरान वह नशे में थे और डगमगा रहे थे। इसके बाद रात में भी पास ही पान की गुमटी के पास सड़क पर जाकर गिर गए। रविवार सुबह कलारी खुली और आसपास के लोगों ने देखा तो विक्रम बेसुध पड़े थे और शरीर में हलचल नहीं हो रही थी। इसके बाद पुलिस को सूचना दी गई। सूचना पर पहुंची पुलिस ने मर्ग कायम कर शव पीएम के बाद परिजन को सौंप दिया है। पुलिस का कहना है कि मृतक के शरीर पर चोट के निशान नहीं मिले है। इधर शाहपुरा पुलिस ने बताया कि 50 साल के कैलाश माणिक, ईश्वर नगर झुग्गी में रहते थे और पत्नी बीनकर गुजारा करते थे। वे शराब पीने के आदी थे। पत्नी बीनने के दौरान जो भी रुपए हाथ लगे उसकी शराब पी जाते थे। शाहपुरा कलारी के पास शनिवार रात उन्हें देखा गया था। रविवार सुबह कुछ लोगों ने उनकी लाश देखकर पुलिस को सूचना दी।

मेट्रो एंकर बाइक से आए थे बदमाश, रॉयल मार्केट एचडीएफसी के पास की वारदात

दुकान बंद कर लौट रहे व्यापारी पर चाकू से हमला, 50 हजार लूटकर ले गए बदमाश

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

शाहजहांनाबाद थाना क्षेत्र स्थित रॉयल मार्केट, एचडीएफसी बैंक के पास शनिवार देर रात करीब साड़े 11 बजे एक्टिवा और बाइक से आए बदमाशों ने व्यापारी पर चाकू से हमला कर दिया नोटो से भरा बैग छीन लिया। बैग में पचास हजार रुपए की नगदी थी। व्यापारी ने घटना की जानकारी परिजन को दी। परिजन उसे लेकर अस्पताल पहुंचे और बाद में

प्रभुनगर ईदगाह हिल्स निवासी 40 वर्षीय राजेश अठवानी, घोड़ानक्कास इलाके में मोबाइल रिपेयरिंग की शॉप चालते हैं। शनिवार रात करीब 11 बजे वह दुकान बंद कर बाइक से घर के लिए निकले। रास्ते में उनकी बाइक का पेट्रोल खत्म हो गया। कुछ दूरी पर पेट्रोल पंप होने के कारण वे गाड़ी को धक्का लगाकर पहुंचे, वहां पेट्रोल भराने के बाद घर की तरफ जाने लगे। इसी बीच रॉयल मार्केट में एचडीएफसी बैंक के सामने पहुंचते ही बाइक सवार बदमाशों ने चलती बाइक पर उनका बैग छीनने का प्रयास किया। उन्होंने बाइक खड़ी की और बदमाश आगे बड़ गए। इसी बीच एक अन्य एक्टिवा सवार पीछे से आए और एक्टिवा से उतरकर उन्होंने राजेश से मारपीट शुरू कर दी। इसी बीच एक बदमाश ने राजेश के सिर पर चाकू से हमला कर दिया। सिर में चाकू लगने के बाद दूसरे बदमाश ने उनके कंधे पर लटका बैग छीन लिया और एक्टिवा से तीनों फरार हो गए। घटना की जानकारी राजेश ने तत्काल परिजन और दोस्तों को दी। वे मौके पर पहुंचे और राजेश को इलाज के लिए अस्पताल ले गए। अस्पताल में इलाज कराने के बाद परिजन राजेश को लेकर शाहजहांनाबाद थाने लेकर पहुंचेद्र वहां पुलिस को शिकायत की।

देर रात घटनास्थल पर पहुंची पुलिस : पुलिस देर रात घटनास्थल पर पहुंची और निरीक्षण किया। इसके बाद अज्ञात बदमाशों के खिलाफ लूटपाट का मामला दर्ज किया गया । पुलिस का कहना है कि घटनास्थल और उस रूट पर लगे सीसीटीवी कैमरे चेक किए जा रहे है, जिस तरफ बदमाश बैग छीनकर भागे है। बैग में पचास हजार रुपए की नगदी थी। पुलिस लूटपाट के बाद उन लोगों से भी पूछताछ कर रही है, जो राजेश की दुकान में पूर्व में काम कर चुके हैं।

खटलापुरा तालाब में गुमशुदा युवक की लाश मिली

भोपाल, दोपहर मेट्रो

जहांगीराबाद थाना क्षेत्र स्थित खटलापुरा में छोटे तालाब में रविवार शाम युवक की लाश मिलने से सनसनी फैल गई। युवक श्यामला हिल्स स्थित कृष्णा नगर से दो दिन पहले से लापता था। पुलिस ने मर्ग कायम कर शव पीएम के लिए मर्चूरी भेज दिया है। उसके पास सुसाइड नोट नहीं मिला है, लेकिन अनुमान है कि उसने आत्महत्या की है। दरअसल, उसने इसी वर्ष बारहवीं की परीक्षा पास की थी और वह परिजन से मोबाइल दिलाने की जिद कर रहा था। पुलिस के अनुसार विशेष प्रजापति पिता संतोष प्रजापति (19) कृष्णा नगर, श्यामला हिल्स में रहता था। उसने इसी वर्ष बारहवीं की परीक्षा पास की थी और कॉलेज में दाखिला लिया था। दो दिन पहले विशेष रहस्यमय तरीके से लापता हो गया। परिजन ने उसकी गुमशुदगी श्यामला हिल्स थाने पहुंचकर की थी। पुलिस और परिजन उसकी तलाश कर रहे थे। इस दौरान जहांगीराबाद पुलिस को रविवार शाम 6 बजे सूचना मिली कि सुसाइड पाइंट, खटलापुरा में तालाब में किसी युवक की लाश प?ी हुई है। सूचना पर पहुंची पुलिस ने लाश बाहर निकलवाई। उसकी शिनाख्त विशेष प्रजापति के रूप में कर ली। पुलिस ने बताया कि विशेष के माता पिता प्राइवेट काम करते है। विशेष माता पिता से मोबाइल की जिद कर रहा था।

श्यामला हिल्स से दो दिन पहले था लापता, आत्महत्या की आशंका

स्वामी,मुद्रक,प्रकाशक **राजेश सिरोठिया** द्वारा पी जी इंफ्रास्ट्रक्चर एंड सर्विसेज प्राइवेट लिमिटेड,करोंद-भानपुर बाइपास विलेज रासलाखेड़ी भोपाल से मुद्रित तथा ए-182 मनीषा मार्केट शाहपुरा भोपाल से प्रकाशित। **संपादक राजेश सिरोठिया** **कार्यकारी संपादक आशीष दुबे*** आर एन आई पंजीयन क्रमांक एमपी एचआईएन/2016/68849 (*पीआरबी एक्ट के तहत समाचार चयन के लिए जिम्मेदार) **फोन :** 0755-4917524, 2972022